04 - यूनियन कार्बाइड सियासत के घेरे में

05 - देखभाल में विफलता पर उपहार रद्द करने का अधिकार

A Daily News Magazine

भोपाल

सोमवार, 13 जनवरी, 2025

06 - बादल छाने से दलहनी फसलों को नुकसान की संभावना, मकर संक्रांति...

07 - गुलाब के जीवनकाल में निहित है जीवन दर्शन : राज्यपाल

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-134 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

पहली बात

'सुब्रमण्यन सर' : आम आदमी की जिंदगी को कितना छोटा करना चाहते हैं?

उमेश त्रिवेदी
प्रधान संपादक

'लार्सन एंड टूब्रो' के चेयरमैन एस. एन. सुब्रमण्यन की अपने मजदूरों और कर्मचारियों से सप्ताह में 90 घंटे काम लेकर पैसों का पहाड़ खड़ा करने की अधूरी पूंजीगत प्यास ने मेहनत-मजदूरी और जिंदगी से जुड़े कई सवालों को समाज के रूबरू खड़ा कर दिया है। उनकी यह आकांक्षा राष्ट्र-निर्माण या देश की जिंदगी को खुशहाल बनाने की भावाव्यक्ति तो कतई नहीं महसूस होती है। सप्ताह में 90 घंटे काम की ये आकांक्षाएं समाज में राष्ट्र निर्माण की फुलवारी को फलीभूत करने का उपाय नहीं है। ये सम्पन्नता के उन बंजर और पथरीले पहाड़ों की परिकल्पना है, जो जिंदगी को केक्टस के कांटों से घेरते हैं। हमारे पूर्वजों का इतिहास है कि उनका जीवन और संस्कृति कर्म और कर्मठता से ओतप्रोत रहा है, लेकिन निजी स्वार्थों के लिए कर्म और कर्मठता के आव्हान से हमेशा परहेज किया जाता रहा है। इसके सामाजिक और सामुदायिक उद्देश्यों की प्रतिपूर्ति के लिए जिंदगी न्यौछावर करने के किस्से-कहानियां आज भी समाज में बहुतायत से प्रचलित हैं।

राष्ट्र निर्माण की भावना के घनत्व को घनीभूत करने की दृष्टि से देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के उस नारे की अनुगूंज आज भी सुनाई पड़ती है, जिसमे उन्होने 'आराम है हराम' का आव्हान किया था। सन् 1959 में लाल किले की प्राचीर से पंडित नेहरू ने यह आव्हान किया था। कई राष्ट्र-कवियों ने नेहरू के इस नारे को खूबसूरत कविताओं में ढाल दिया था। राष्ट्रकवि मैथिली शरण गुप्त की वह कविता उस पीढ़ी के लोगों को आज भी कंठस्थ है, जिसमें वह कहते हैं कि ''कुछ काम करो, कुछ काम करो, जग में रहकर कुछ नाम करो, यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो, समझो जिसमे यह व्यर्थ न हो।'' इस प्रकार के नारे और कविताएं जिंदगी में काम की महत्ता को स्थापित करती हैं, लेकिन यह महत्ता धनार्जन अथवा स्वर्णार्जन के लिए नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण में अपनी ईमानदार मेहनत की आहुति देने का आव्हान है।

आज भी जब यह कहा जाता है कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने प्रधानमंत्रित्व के एक दशक में एक दिन भी छुट्टी नहीं मनाई तो यह संदेश देने की कोशिश की जाती है कि राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में सबको अपने-अपने परिश्रम की आहुति देना है। सवाल यह है कि वह यज्ञ-कुंड कौन सा है, जिसमें हमें अपने परिश्रम और पसीने की आहुति देना है। सवाल यह भी है कि देश की सीमाओं की पहरेदारी के लिए चौबीसों घंटे तैनात हमारी सेना के वीर-बहादुरों की गाथाओं को शिरोधार्य करने और पूजने वाले इस देश में 51 करोड़ के सालाना पैकेज पाने वाले एल एण्ड टी के चेयरमैन एस. एन. सुब्रमण्यन के आव्हान प प्रतिक्रियाओं का यह सैलाब क्यों उठ खड़ा हुआ? जिस देश ने गीता के इस संदेश 'कर्माण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचनः' को अंगीकार किया हो, वह काम के समय-सीमाओं की पहल पर उद्वेलित क्यों है?

शायद इसकी यह वजह है कि 51 करोड़ का सालाना पैकेज पाने वाले ''सुब्रमण्यन सर'' के कथन के टैक्स्ट में एक अजीबो-गरीब कठोरता, कंटीलापन और कटाक्ष है। वह कहते हैं कि- सच कहूं तो मुझे इस बात का अफसोस है कि मैं आप लोगों से रविवार को काम नहीं करवा पा रहा हूं, अगर मैं आप लोगों से रविवार को भी काम करा पाता तो मुझे बहुत खुशी होती, क्योंकि मैं रविवार को भी काम करता हूं। आप घर पर बैठे क्या करते हैं? आप अपनी पत्नी को कितनी देर तक देख सकते हैं? पत्नियां कब तक अपने पति को देख सकती हैं? ऑफिस पहुंचे और काम करें...। सुब्रमण्यन सर का यह टैक्स्ट कहता है कि सर ने शायद ही आम आदमी की जिंदगी की हकीकतों का टैक्स्ट पढ़ा है, अन्यथा वो ऐसा नहीं कहते...उन्हें पता होता कि मुंबई के उप-नगरों में रहने वाले ज्यादातर लोगों की जिंदगी के कितने घंटे मेट्रो और लोकल ट्रेनों मे गुजर जाते हैं। सामान्य अंक-गणित के अनुसार यदि सप्ताह के 168 घंटों का हिसाब करें तो सर, काम-काज और दौड़-भाग भरी इस जिंदगी में रोजमर्रा के काम निपटाने के बाद जीने के लिए 90 घंटे तो नसीब ही नहीं हो पाते हैं। सप्ताह में 13 घंटे काम और 11 घंटे जिंदगी के नाम करके आप आम आदमी की जिंदगी को कितना छोटा करना चाहते हैं...?

बीते तीन दशकों में वैश्वीकरण और उदारीकरण के बाद दुनिया में रोजगार की परिभाषा बदलने लगी हैं। लोगों के काम का स्वरूप भी बदला है। काम करने के तौर-तरीकों में उल्लेखनीय अंतर महसूस होने लगा है। जिंदगी में रोबोट की आमद ने लोगों के सोचने का तरीका बदल दिया है। मजदूर और मजदूरी दोनों के अर्थ बदले हैं। दुनिया में सबसे ज्यादा बंधुआ मजदूर भारत में रहते हैं। विश्व गुलामी सूचकांक की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में हालात गुलामी से बदतर हैं। यहां बाल मजदूरों की तादाद पंद्रह करोड़ से भी ज्यादा है। सरकार के आंकड़े बताते हैं कि देश के कुल मजदूरों में 90 फीसदी से ज्यादा असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं। उनके लिए न्यूनतम वेतन की ग्यारंटी भी उपलब्ध नहीं हैं। खेतिहर मजदूरों को तो कोई कानूनी संरक्षण भी उपलब्ध नहीं है। एक ईरानी कवि सबीर हका की कविता के यह पंक्तियां हालात को पूरी तरह बंया करती हैं- ''गिरने से ज्यादा पीड़ादायी कुछ नहीं, मैंने कितने मजदूरों को देख है इमारतों से गिरते हुए, गिरकर शहतूत बनते हुए...।' अथवा यह शेर भी मौजूं है- ''सो जाता है फुटपाथ पे अखबार बिछाकर, मजदूर कभी नींद की गोली नहीं खाता।'' दिक्कत यह है कि सुब्रमण्यन सर की शिक्षा-दीक्षा शायद सिर्फ अंग्रेजी में ही हुई है।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

प्रेम से बाहर
जब हम मिलेंगे

एक खुला आसमान होगा
खूब ताज़ा हवा
रंग बिरंगे फूल
और सारे ही बेअसर
तब कोई रंग नहीं होगा मन पर
कोई खुशबू नहीं महकेगी हमारे बीच
प्रेम से बाहर जब मिलेंगे हम
पहली मुलाक़ात से भी ज़्यादा अजनबी

कैसे हैं क्या चल रहा है
रस्मन सवालों के साथ
विगत पर धूल उड़ाते
आँखों में भर जाएगी गर्द
जहाँ खामोशी भी बात करती थी
वहाँ फिजूल झड़ेंगे लफ़्ज़
सारी उदासियों की तौहीन करते
बेमतलब ही मुस्कुराएँगे

प्रेम से बाहर
जब मिलेंगे हम
क्या स्मृतियों से भी बाहर होंगे।

- श्रुति कुशवाहा

महाकुंभ का पहला स्नान आज

आखिर में श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़े की निकली पेशवाई

प्रयागराज की धरा पर सनातन का उत्सव शुरु, संतों का समागम, अध्यात्म और आस्था की डुबकी...

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ के लिए रविवार को आखिरी अखाड़े की पेशवाई निकाली गई। श्री पंचायती बड़ा उदासीन अखाड़े के एक हजार से ज्यादा साधु-संत ऊंट, घोड़े, रथ पर सवार होकर महाकुंभ के लिए निकले थे। इसी बीच यहां बारिश शुरू हो गई थी। भीगते हुए हर-हर महादेव और जय-जय श्रीराम के जयकारे लगाते संत आगे बढ़ रहे थे। आज यानी 13 जनवरी को महाकुंभ का पहला स्नान है। ऐसे में रविवार से ही श्रद्धालु पहुंचने लगे हैं। सड़कों पर श्रद्धालुओं की लाइन लगी है। ये श्रद्धालु महाकुंभ मेला क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं।

यह पेशवाई रामबाग फ्लाईओवर से भव्य यात्रा के रूप में महाकुंभ के लिए रवाना हुई थी। जानसेनगंज, चौक, घंटाघर होते हुए करीब 3 किमी की यात्रा पूरी कर पेशवाई महाकुंभ के सेक्टर 20 में बने अखाड़े के शिविर में पहुंचेगी। अखाड़े के महंत दुर्गादास महाराज ने बताया- पूरे देशभर के साधु संत इसमें शामिल हुए हैं।

महाकुंभ में बारिश, साधु-संत ऊंट-घोड़े पर निकले

महाकुंभ का पहला शाही स्नान आज पूर्णिमा के शुभ अवसर पर होगा। हिंदू पंचांग के अनुसार, पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 13 जनवरी यानी आज सुबह 5 बजकर 03 मिनट पर होगी और तिथि का समापन 14 जनवरी को अर्धरात्रि 3 बजकर 56 मिनट पर होगा।

शंकराचार्य अधोक्षानंद ने संगम में किया स्नान

शंकराचार्य अधोक्षानंद ने अपने शिष्यों के साथ संगम में स्नान किया। प्रयाग कुंभ मेले में आने वाले कल्पवासी पौष पूर्णिमा (13 दिसंबर) से संगम की रेती पर कल्पवास शुरू कर देंगे। हिंदुओं में पौष पूर्णिमा के स्नान का विशिष्ट महत्व है।

पॉलीथिन तानकर संतों को बारिश से बचाते दिखे अनुयायी

पेशवाई के समय बारिश हो रही है। ऐसे में पॉलीथिन तानकर संतों को उनके अनुयायी बारिश से बचाते दिखे। छाता लगाकर जगह-जगह लोग खड़े हैं। संतों का आशीर्वाद ले रहे हैं।

जैसे संत ने निशाना लगाते हुए रिवॉल्वर तान दी हो ?

पेशवाई में निकले संत ने वाद्य यंत्र को निकाला तो सड़क किनारे खड़े लोग डर गए। ऐसा लगा मानों संत ने किसी पर निशाना लगाते हुए रिवॉल्वर तान दी हो। इतने में संत ने वाद्य यंत्र से मधुर आवाज निकाली तो सब यह देखकर हंसने लगे... महाराज जी की जय-जय करने लगे।

विकसित भारत यंग लिडर्स संवाद में बोले पीएम मोदी

युवा शक्ति का सामर्थ्य ही भारत को विकसित राष्ट्र बनाएगा...

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश के नौजवानों के साथ उनका 'परम मित्र' वाला नाता है और साथ ही विश्वास जताया कि युवा शक्ति का सामर्थ्य ही भारत को जल्द से जल्द विकसित राष्ट्र बनाएगा। 'विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बड़े सपने देखना, एक मजबूत प्रतिबद्धता बनाना और एक निर्धारित समयसीमा के भीतर उन सपनों को प्राप्त करना पूरी तरह से संभव है।

उन्होंने कहा, ''किसी भी देश की प्रगति के लिए, उसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। एक लक्ष्य के बिना जीवन अकल्पनीय है! लक्ष्य हमें उद्देश्य और प्रेरणा प्रदान करते हैं। जब हम महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो हम उन्हें पूरा करने के लिए अथक प्रयास करते हैं। आज भारत इसी भावना को मूर्त रूप दे रहा है। मोदी ने कहा कि विकसित भारत यानी जो आर्थिक, सामरिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त होगा, जहां अर्थव्यवस्था भी बुलंद होगी और पारिस्थितिकी भी समृद्ध होगी।

उन्होंने कहा, ''जहां अच्छी कमाई और पढ़ाई के ज्यादा से ज्यादा अवसर होंगे। जहां दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी कौशल से लैस होगी। जहां युवाओं के पास अपने सपने पूरा करने के लिए खुला आसमान होगा। प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में 30 लाख से अधिक प्रतिभागियों में से योग्यता-आधारित, बहु-स्तरीय चयन प्रक्रिया के माध्यम से चुने गए 3,000 युवाओं के साथ संवाद भी किया। स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनका देश के नौजवानों के साथ 'परम मित्र' वाला नाता है और मित्रता की सबसे मजबूत कड़ी होती है 'विश्वास'। उन्होंने कहा, ''मुझे आप पर बहुत विश्वास है और इसी विश्वास ने मुझे 'माय भारत' के गठन की प्रेरणा दी। इसी विश्वास ने विकसित भारत युवा नेता संवाद का आधार बनाया।

स्वामी विवेकानंद की जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) पर प्रदेश के युवाओं को मिली सौगात

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा दें हर संभव योगदानः मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि युवा, हमेशा से ही देश और समाज को समर्पित रहे हैं। अंग्रेजों के विरूद्ध स्वतंत्रता संग्राम हो या अन्य आक्रांताओं के विरोध के समय, युवाओं ने आवश्यकता होने पर देश और समाज के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर धर्म, संस्कृति और जीवन मूल्यों को सुरक्षित रखा है। वर्तमान समय भारत को विश्व में विकसित देश के रूप में स्थापित करने का समय है। यह हमारा सौभाग्य है कि देश को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व और मार्गदर्शन प्राप्त है। उन्होंने आह्वान किया कि युवा अपनी क्षमता, योग्यता और परिश्रम से वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के प्रति समर्पित भाव से अपनी-अपनी विधाओं के क्षेत्र में हरसंभव योगदान दें। प्रधानमंत्री श्री मोदी के ध्येय वाक्य 'ज्ञान पर ध्यान' के अंतर्गत गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। देश की प्रगति के लिए युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक दिशा देने के उद्देश्य से ही प्रदेश में स्वामी विवेकानंद जयंती-राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर 'स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन' आरंभ किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को रवीन्द्र भवन भोपाल में युवा शक्ति मिशन के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरू और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं युवा उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविंद्र भवन में 'स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन' के शुभारंभ समारोह को संबोधित किया।

एमओयू का हुआ आदान-प्रदान, बालिकाओं को दिये प्रोत्साहन पत्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सम्मुख ग्लोबल स्किल पार्क और ट्राइडेंट कम्पनी के मध्य युवाओं के कौशल उन्नयन और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यूएन विमेन द्वारा संचालित वी-स्टेम परियोजना के अंतर्गत शासकीय महिला आईटीआई बैतूल तथा अन्य संस्थाओं में विभिन्न ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त प्रदेश के जनजातीय बहुल जिलों की बालिकाओं को प्रोत्साहन पत्र प्रदान किए।

डेढ़ करोड़ युवाओं को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाना है मिशन का उद्देश्य

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विश्व का सबसे युवा देश भारत है और हम सभी प्रश्नों के समाधान अपनी क्षमता और योग्यता के आधार पर करने में सक्षम है। मध्यप्रदेश में ही डेढ़ करोड़ से अधिक युवा शक्ति है।

दिल्ली चुनाव- भाजपा की दूसरी लिस्ट में 29 नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने शनिवार रात 29 नामों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा ने लक्ष्मीनगर से विधायक अभय वर्मा का टिकट रिपीट किया है। जबकि, करावल नगर से पांच बार के विधायक मोहन सिंह बिष्ट का टिकट काट दिया है। उनकी जगह कपिल मिश्रा को टिकट मिला है। पूर्व सीएम मदनलाल खुराना के बेटे हरीश खुराना को मोती नगर से टिकट दिया गया है। पार्टी ने 26 सीटों पर अपने पिछले उम्मीदवार बदले हैं। सिर्फ 2 उम्मीदवार ऐसे हैं जिनको 2020 चुनाव हारने के बाद भी टिकट मिला है। इसमें त्रिनगर से तिलकराम गुप्ता और द्वारका से प्रद्युम्न राजपूत हैं। दूसरी लिस्ट में 9 पार्षदों को मैदान में उतारा है। इसमें पिछले महीने भाजपा में शामिल हुईं आप पार्षद प्रियंका गौतम भी हैं। वे अभी कौंडली वार्ड से पार्षद हैं। पूर्व मेयर श्याम शर्मा को हरीनगर से उतारा गया है।

॥ मंदिरम् ॥ 10

कालाराम मंदिर, महाराष्ट्र

भगवान राम को समर्पित एक हिंदू मंदिर है जो महाराष्ट्र के नासिक के पंचवटी क्षेत्र में स्थित है। मंदिर का नाम राम की एक काली मूर्ति से आया है। कालाराम का अर्थ है 'काला राम'। गर्भगृह में देवी सीता और भगवान लक्ष्मण की मूर्तियाँ भी हैं। हर दिन, हज़ारों भक्त मंदिर में दर्शन करने आते हैं। कालाराम मंदिर भगवान राम को समर्पित है, जो गर्भगृह में काले पत्थर की मूर्ति के रूप में विराजमान हैं। यह नासिक का एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। सरदार रंगाराव ओढेकर ने 1790 ई. में इस मंदिर का निर्माण करवाया था। भगवान राम की मूर्ति के अलावा, सीता माता और भगवान लक्ष्मण की मूर्तियाँ भी हैं, जो काले कपड़े पहने हुए हैं और आभूषणों से सजी हुई हैं। मंदिर का निर्माण पूरी तरह से काले पत्थरों से किया गया है।

गरीब, किसान, युवा और महिला कल्याण के लिये मिशन मोड पर हो रहा है काम : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

किसानों को सिंचाई के लिये दिन में देंगे 8 से 10 घंटे बिजली

मुख्यमंत्री ने 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में अंतरित किये 1553 करोड़ रुपये

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी

सरकार समाज के हर वर्ग के हित के लिए कार्य कर रही है। प्रदेश में महिला, युवा, गरीब और किसानों के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। आज से 125 वर्ष पहले जब हमारा भारत गुलाम था और निराशा में डूबा हुआ था, तब स्वामी विवेकानंद ने उस निराशा को दूर करते हुए सब में उत्साह भरा और कहा था कि 21वीं शताब्दी भारत एवं सनातन संस्कृति की होगी। उनका यह कथन आज प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में सत्य सिद्ध हो रहा है। आज विश्व में भारत का दौर चल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को शाजापुर जिले की तहसील कालापीपल में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश की 1.27 करोड़ लाड़ली बहनों के खातों में 1553 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। साथ ही 55 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशन के हितग्राहियों के खातों में 335 करोड़ रुपये और 26 लाख बहनों को सिलेण्डर रीफिलिंग के लिये दी जाने वाली राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 10 करोड़ 11 लाख राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्राहियों को हितलाभ भी वितरित किये गये।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने क्षेत्र के विकास के लिए भी अनेक घोषणाएँ की। उन्होंने कालापीपल तहसील को राजस्व अनुभाग बनाने तथा पोलायकलां उप मंडी को मुख्य मंडी बनाए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालापीपल में 15 ग्रामीण सड़कों के निर्माण और 11 गाँव के नाम बदलने की घोषणा की।

स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस पर

प्रदेश के स्कूलों में सामूहिक सूर्य नमस्कार

कहा-2028 तक 70 प्रतिशत युवाओं को स्वरोजगार का टारगेट

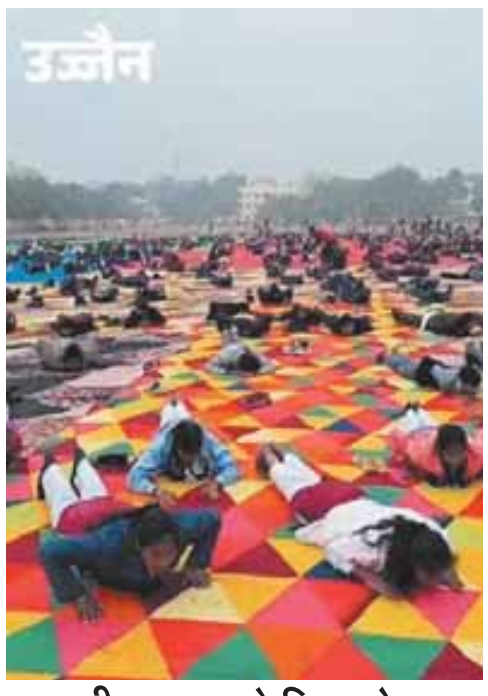

सीएम यादव ने किया योग

भोपाल (नप्र)। स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस पर 12 जनवरी को प्रदेश के सभी स्कूलों में सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भोपाल के सुभाष उत्कृष्ट स्कूल में योग किया। वहीं, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने नरसिंहपुर जिले के ग्राम डोभी के सीएम राइज स्कूल में विद्यार्थियों के साथ सूर्य नमस्कार किया। प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम यादव ने कहा भारत हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रहा है और सरकार हर वर्ष सूर्य नमस्कार का आयोजन करती है। आज मध्यप्रदेश सरकार युवा शक्ति मिशन लॉन्च कर रही है, जिसके जरिए हमने प्रदेश के युवाओं को शिक्षित करने का संकल्प लिया है। हमारी योजना है कि 10वीं और 12वीं कक्षा में प्रदेश का युवा शत-प्रतिशत उत्तीर्ण होकर शिक्षित बने। उन्होंने आगे कहा- हमने यह लक्ष्य तय किया है कि 2028 तक मध्यप्रदेश के 70 प्रतिशत से ज्यादा युवा स्वरोजगार प्राप्त करेंगे। प्रदेश में डेढ़ करोड़ से ज्यादा युवा हैं, और आज ही के दिन हम लाडली बहना योजना की राशि डालने जा रहे हैं।

सीएम बोले- सपने देखें और पूरा करने आगे बढ़ें

सुभाष स्कूल में आयोजित मुख्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि जब युवा कभी बोलते हैं तो मुझे एक तरह से स्वामी विवेकानंद का ध्यान आता है। स्वामी विवेकानंद जयंती के माध्यम से सनातन संस्कृति सभ्यता हिंदुस्तानी दर्शन का योगदान पूरे देश के लिए एक तरह से अलग ही आनंद देता है। इसके माध्यम से हम युवा शक्ति की पहचान पाते हैं और युवा शक्ति के माध्यम से राष्ट शक्ति का अहसास भी कहते हैं। आज के अवसर पर मैं यहां उपस्थित सभी से और कम से सभी युवाओं को नमन करता हूं बधाई देता हूं। स्वामी विवेकानंद जी ने राष्ट्रभक्ति और युवा शक्ति को सर्वोपरि माना। उन्होंने हमारे जीवन में सदैव युवाओं को सीख दिया स्वयं पर भी लागू किया। उठो जागो, तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न कर लो। हमारे अपने जीवन का जो हम सपना देखें, जो हम संकल्प करें, जिस दिशा में बढ़ना चाहें, तो परमात्मा ने असीम ऊर्जा का भंडार हमको शरीर के रूप में दिया और यह असीम ऊर्जा का भंडार हमारे शरीर के माध्यम से हमारे सपनों को पंख लगा करके अपने संकल्प की सिद्धि का साधन बनता है।

9/11 को लादेन नहीं, स्वामी विवेकानंद के नाम से जानना चाहिए : श्रीवास्तव

भोपाल । विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी, मध्यप्रांत, भोपाल द्वारा स्वामी विवेकानंद जयंती पर कई महाविद्यालयों में स्वामी विवेकानंद के विचारों को लेकर कार्यक्रम किए गए । राज्य विधि महाविद्यालय, सरोजिनी नायडू कन्या महाविद्यालय, मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय आदि में कार्यक्रम किए गए ।वहीं मौलाना आजाद राष्ट्रीय तकनीकी संस्थान के छात्रों ने योग किया ।विवेकानंद केंद्र पर भी कार्यक्रम किए गए ।भारत माता पूजन भी केंद्र कार्यालय पर किया गया ।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता विभाग अमृत परिवार प्रमुख अमिताभ श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ऐसे व्यक्तित्व थे, जिनसे नेताजी सुभाषचंद्र बोस से लेकर कई बड़े-बड़े क्रांतिकारी भी उनसे प्रेरित रहे। आज के समय लोग 9/11 को लादेन के नाम से जानते हैं, लेकिन असल में हमें अपनी युवा पीढ़ी को, 9/11 को शिकागो की धर्म संसद में दिए गए स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक भाषण के बारे में बताना ।सभी युवा उनसे प्रेरित होकर अपना अच्छा भविष्य बनाएँ और राष्ट्र-निर्माण के कार्य में अपनी महती भूमिका निभाएँ ।

प्रदर्शनी में गुलाबों की रॉयल फैमली देखने पहुंची भारी भीड़

- 600 गमलों में 100 से ज्यादा नस्ल के गुलाबों को देखने पहुंचे लोग

भोपाल। लिंक रोड स्थित गुलाब उद्यान में चल रही अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी में रविवार को भारी भीड रही। शनिवार को 43वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के मंत्री नारायण सिंह कुशवाह एवं विशिष्ट अतिथि वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ रोज सोसाइटी के कोषाध्यक्ष सुशील प्रकाश, अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया, उद्यानिकी विभाग की संचालक निधि निवेदिता मौजूद रहीं। इस मौके पर उद्यानों की प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समारोह में विशेष तौर पर वर्ल्ड फेडरेशन आफ रोज सोसाइटी का प्रतिनिधि मंडल भी शामिल रहे जो जनवरी 2028 में भोपाल में आयोजित वर्ल्ड रोज कन्वेंशन की तैयारियों का जायजा ले रहे थे। कट फ्लावर का जजिंग हुआ। मुख्य जज

उरुग्वे की रोसारियो अल्गोर्टो रहीं। उन्होंने रायल फैमिली के गुलाबों को जज किया।

राजधानी के लिंक रोड नंबर एक स्थित गुलाब उद्यान में शनिवार को गुलाब प्रदर्शनी शुरू हुई। यहां 100 से ज्यादा प्रजातियों के गुलाबों को अलग-अलग गार्डन में रखा गया है। प्रदर्शनी का आयोजन रोज सोसायटी और डिपार्टमेंट ऑफ हार्टिकल्चर ने किया है। प्रदर्शनी का समापन रविवार को हुआ। इससे पहले रोज सोसायटी और हार्टीकल्चर डिपार्टमेंट के अफसरों द्वारा बनाई गई ज्यूरी प्रदर्शनी में रखे गए गुलाबों का मुआयना कर किंग, क्वीन, प्रिंस और प्रिंसेज रोज (गुलाब) का सिलेक्शन किया। साथ ही संबंधित गुलाब को गमले में लगाने वाले प्लांट ऑनर को सम्मानित किया। गुलाब उद्यान में लगी इस प्रदर्शनी में गुलाबों की रॉयल फैमिली को अलग से रखा है। गुलाब की रॉयल फैमिली में 20 प्रजातियों के गुलाबों को रखा गया है। रोज सोसायटी के सदस्यों ने बताया कि रॉयल फैमिली में रुबी स्टार, बेस्ट पिंक रोज-रिमेबर, बेस्ट व्हाइट रोज- पियर आर्डिट मेल्लनदार्स, बेस्ट ऑरेंज रोज (डच रोज) बेस्ट इंडियन एचटी रोज (मोहिनी) बेस्ट इंडियन फ्लोरोबुना रोज- कोकोनट आइस और बेस्ट रेड रोज- ब्लैक मैजिक प्रजाति के गुलाबों को शामिल किया है।

रोज प्रदर्शनी में पहुंचे हजारों से लोग

प्रदर्शनी में 600 गमलों में 100 से ज्यादा प्रजातियों के रखे गए गुलाबों को देखने और पसंदीदा प्रजाति के गुलाब के बारे में जानकारी हासिल करने दोनों दिन हजारों, हजार से ज्यादा लोग यहां पहुंचे। रोज सोयायटी ने प्रदर्शनी में गुलाब के खरीदारों के लिए अलग से काउंटर लगाए गए हैं। इन काउंटर्स पर शाम को गुलाब के खरीदारों की लाइनें भी लगी हुई देखी गई। प्रदर्शनी देखने पहुंचे प्रशीक पटेल ने बताया कि वह पिछले दो साल से गुलाब प्रदर्शनी देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां को बगीचे का शौक हैं, जिस करण वह अपनी मां के साथ गुलाब उद्यान घूमने और पौधों की खरीदारी करने आए हैं। मप्र के उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण् (हार्टीकल्चर) मंत्री नारायन सिंह कुशवाह गुलाब उद्यान में आयोजित गुलाब प्रदर्शनी देखने पहुंचे थे।

मंत्रिमंडल विस्तार और नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव भंवर में

कही-सुनी

रवि भोई

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

लगता है छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय मंत्रिमंडल का विस्तार और नगरीय निकाय-पंचायत एक पहेली बन गई है। साय मंत्रिमंडल में दो पद खाली हैं। मंत्री बनने के इच्छुक विधायक दौड़ तो लगा रहे हैं, अब खाली पद को भरने के लिए आवाज भी उठने लगी है। मुख्यमंत्री जब राज्यपाल से मिलने जाते हैं या दिल्ली से कोई भाजपा नेता आता है तो मंत्रिमंडल विस्तार की सुरसुरी शुरू हो जाती है। अब मकर संक्रांति के बाद मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा चल पड़ी है, पर लग नहीं रहा है कि दावेदारों की इच्छा इतनी जल्दी पूरी होगी। मंत्रिमडल विस्तार का तार संगठन चुनाव और नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव से जुड़ा है। बताते हैं मंत्रिमंडल विस्तार में बड़ा पेंच प्रदेश अध्यक्ष किरणदेव का फंसा है। कहा जा रहा है कि किरणदेव दोबारा प्रदेश अध्यक्ष नहीं बने तो मंत्री बनना चाहेंगे। चर्चा है कि नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव के पहले मंत्रिमंडल विस्तार में पार्टी को कई तरह के ऊंच-नीच नजर आ रहे हैं। कायदे से नगरीय निकाय चुनाव दिसंबर में निपट जाना चाहिए था। पर नगरीय निकाय में जीत के लिए भाजपा की मजबूत जमीन तैयार न हो पाना आड़े आ गया। सरकार इस बार नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव साथ -साथ कराने का फैसला किया है। शहरों की हवा अलग और गांवों की हवा अलग,फिर दिसंबर निकल गया तो आगे स्कूली परीक्षा सिर पर है। मंत्रिमंडल विस्तार और नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव की वर्तमान परिस्थिति से तो लग रहा है कि ये भंवर में फंस गए हैं।

शिक्षा विभाग को लेकर एबीवीपी नेता का फूटा गुबार

कहते हैं पिछले हफ्ते राजनांदगांव में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत अधिवेशन में राज्य में शिक्षा मंत्री के पद रिक्त होने और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर एक एबीवीपी नेता का गुस्सा फट पड़ा। बताते हैं प्रांत अधिवेशन का शुभारंभ विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने किया और उनके सामने ही शिक्षा विभाग के कामकाज पर आवाज बुलंद किया जाने लगा। एबीवीपी भाजपा की ही सहयोगी संगठन है। राज्य में भाजपा की सरकार होने के बाद भी एबीवीपी के एक नेता का तीखा तेवर लोगों में चर्चा का विषय है। बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद स्कूल और उच्च शिक्षा विभाग मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय संभाले हुए हैं। कर्मचारियों के नजरिए से स्कूल शिक्षा विभाग को काफी बड़ा माना जाता है।

डीजीपी के लिए पैनल-पैनल का खेल

कहते हैं छत्तीसगढ़ के नए डीजीपी के लिए पैनल-पैनल का खेल चल रहा है। चर्चा है कि नए डीजीपी के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा भेजे गए तीन आईपीएस अफसरों के पैनल को संघ लोकसेवा आयोग ने लौटा दिया है। बताते हैं यूपीएससी ने पैनल में एडीजी जीपी सिंह का नाम शामिल करने का सुझाव दिया है। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद दिसंबर 2024 में सेवा में बहाल जीपी सिंह छत्तीसगढ़ कैडर के 1994 बैच में सबसे वरिष्ठ हैं। 1994 बैच के हिमांशु गुप्ता डीजी प्रमोट हो गए हैं और डीजीपी के पैनल में उनका नाम है। माना जा रहा है इस आधार पर यूपीएससी ने पैनल में जीपी सिंह का नाम जोड़ने को कहा है। डीजीपी के पैनल में अरुणदेव गौतम और पवन देव का भी नाम है। ये दोनों 1992 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। डीजीपी अशोक जुनेजा का कार्यकाल पांच फरवरी तक है। कहा जा रहा है नए डीजीपी के लिए ऐसे ही पैनल-पैनल का खेल चलता रहा तो जुनेजा साहब के लिए फिर एक्टेंशन का रास्ता साफ़ हो जाएगा।

अफसरों के खिलाफ ननकीराम का मोर्चा

भाजपा के आदिवासी नेता और पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने राज्य के कुछ आईएएस अफसरों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है, उनके खिलाफ पुराने मामले निकाल-निकालकर पुलिंदों के साथ ईडी-सीबीआई से लेकर प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री और कोयला मंत्री को भेज रहे हैं। खासतौर से कोरबा में पदस्थ रहे अफसरों के खिलाफ वे काफी आक्रामक लगते हैं। ननकीराम कंवर मध्यप्रदेश के जमाने के नेता हैं। इस कारण उनकी शिकायतों को गंभीरता से लेकर ऊपर के नेता टिप्पणी के साथ राज्य को चिट्ठी भेजने लगे हैं। बताते हैं इसके कारण अफसरों में उनके नाम का दहशत बनने लगा है। राज्य में भाजपा की सरकार है और आदिवासी नेता मुख्यमंत्री हैं, ऐसे में राज्य नेतृत्व से शिकायत करना छोड़कर ननकीराम का दिल्ली की तरफ रुख करना लोगों के मन में कई तरह का संदेह भी पैदा कर रहा है। वैसे अब तक ननकीराम कंवर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति सहृदय बने हुए हैं।

रेणु पिल्लै को चीफ सेक्रेटरी का मौका

मुख्य सचिव अमिताभ जैन के अवकाश पर जाने के कारण 1991 बैच की आईएएस रेणु पिल्लै करीब आठ दिनों के लिए राज्य की चीफ सेक्रेटरी रहेंगी। एक हफ्ते के लिए ही सही राज्य की पहली महिला मुख्य सचिव के तौर रेणु पिल्लै का नाम दर्ज हो जाएगा। रेणु पिल्लै की छवि सख्त और ईमानदार अफसर की है, यही वजह है कि हर सरकार में उनका विभाग जल्दी-जल्दी बदलता रहा है और कुछ फैसलों के लिए चर्चा में भी रही हैं। अमिताभ जैन के बाद आईएएस अफसरों के वरिष्ठता क्रम में रेणु पिल्लै का नंबर है, लेकिन कांग्रेस राज में अमिताभ जैन की अनुपस्थिति में मुख्य सचिव का प्रभार रेणु पिल्लै की जगह एसीएस सुब्रत साहू को दिया गया। रेणु पिल्लै की पोस्टिंग फिलहाल मंत्रालय से बाहर है। वे माध्यमिक शिक्षा मंडल और व्यावसायिक परीक्षा मंडल की अध्यक्ष हैं। अब प्रभारी मुख्य सचिव के रूप में उनकी कार्य दक्षता का परीक्षण हो जाएगा।

रोहित यादव की लंबी छुट्टी चर्चा में

2002 बैच के आईएएस डॉ रोहित यादव 70 दिन की छुट्टी पर चले गए हैं। डॉ यादव कुछ महीने पहले ही भारत सरकार से छत्तीसगढ़ लौटे हैं। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटने पर राज्य सरकार ने उन्हें ऊर्जा सचिव के साथ छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल का अध्यक्ष बनाया था। डॉ रोहित यादव प्रधानमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव रहे हैं। पीएमओ में रहने के कारण माना जा रहा था कि उन्हें सीएमओ में रखा जाएगा, लेकिन उन्हें बिजली की जिम्मेदारी दे दी गई। कुछ महीने छत्तीसगढ़ में काम करने के बाद उनकी लंबी छुट्टी पर जाना चर्चा का विषय बन गया है। कुछ लोगों का मानना है कि रोहित यादव पारिवारिक कारणों के चलते लंबी छुट्टी ले ली है। रोहित यादव का परिवार अभी दिल्ली में है। रोहित यादव की अनुपस्थिति में उनका काम मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह देखेंगे। सुबोध सिंह पहले राज्य विद्युत मंडल की कंपनियों में प्रबंध संचालक में रह चुके हैं।

नेताओं की पत्नियां बनीं दावेदार

रायपुर महापौर का पद सामान्य वर्ग की महिला के लिए आरक्षित होने के बाद कांग्रेस नेताओं की पत्नियां टिकट की दावेदार हो गई हैं। बताते हैं पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा, हाल तक महापौर रहे ऐजाज ढेबर और पूर्व महापौर प्रमोद दुबे की पत्नी महापौर के लिए कांग्रेस की तरफ से टिकट की दावेदार के रूप में उभरी हैं। आरक्षण के पहले कुलदीप जुनेजा और प्रमोद दुबे महापौर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे थे। अब अपनी पत्नियों को आगे कर दिया है। भाजपा की तरफ से महापौर के लिए नेता प्रतिपक्ष रही मीनल चौबे, ममता अग्रवाल, शताब्दी पाण्डे, लक्ष्मी वर्मा और ममता साहू का नाम चर्चा में है। अभी स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए तारीखों की घोषणा नहीं हुई है,पर भाजपा और कांग्रेस में दावेदारों की कतार लगनी शुरू हो गई है और बड़े नेताओं के निवास पर टिकट के इच्छुक नेताओं - कार्यकर्ताओं की भीड़ बढ़ने लगी है।

दीपक बैज की पदयात्रा पर उठे सवाल

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की खुटपदर से जगदलपुर की पदयात्रा पर सवाल उठने लगे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने स्थानीय समस्याओं और मांगों को लेकर गाजे-बाजे के साथ करीब 14 किलोमीटर की पदयात्रा निकाली तो भाजपा के निशाने पर आ गए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की यह पदयात्रा पूर्वनिर्धारित थी, पर बीजापुर के पत्रकार मुकेश चंद्राकर की अंत्येष्टि से पहले उनकी यात्रा ने भाजपा को उन पर हमला का मौका दे दिया। पत्रकार के हत्यारे के कांग्रेस से जुड़े होने के आरोपों से घिरी पार्टी पर वार के लिए भाजपा को नया आधार मिल गया। कुछ लोग प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की पदयात्रा को पद बचाने की यात्रा भी बता रहे हैं। चर्चा है कि स्थानीय निकाय और पंचायत चुनाव के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को बदला जाना है, उसके पहले दीपक बैज अपनी ताकत दिखा रहे हैं।

(लेखक पत्रिका समवेत सृजन के प्रबंध संपादक और स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

म.प्र. में बीजेपी जिलाध्यक्षों की लिस्ट आज-कल में

नामांकन फॉर्म पर प्रस्तावक-समर्थकों के दस्तखत कराए; प्रदेश स्तर से होगी घोषणा

भोपाल (नप्र)। बीजेपी में जिलाध्यक्ष चुनाव के लिए नामांकन फॉर्म भरने की प्रक्रिया आज रविवार को भी जारी रहेगी। आज बतौर प्रस्तावक एक मंडल अध्यक्ष और एक समर्थक से नामांकन फॉर्म पर दस्तखत कराए जा रहे हैं। बीजेपी सूत्रों के मुताबिक, फॉर्म पर प्रस्तावक और समर्थकों के साइन कराने के बाद जिला अध्यक्षों के नामों की सूची दिल्ली भेजी जाएगी। यहां सहमति बनाकर उम्मीदवारों के नामांकन दाखिल करने और निर्विरोध निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू होगी। सोमवार को दिल्ली से सूची फाइनल होने के आसार हैं।

फॉर्म पर जिलाध्यक्ष का नाम नहीं

सूत्रों की मानें तो जिलाध्यक्ष के नामांकन फॉर्म पर किसी उम्मीदवार का नाम नहीं लिखा है। रायशुमारी में आए नामों और वरिष्ठ नेताओं के बीच सहमति बनाकर फॉर्म में एक तय उम्मीदवार का नाम भरा जाएगा। अगले 24 घंटे में जिलाध्यक्ष के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा हो सकती है। इससे पहले शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद

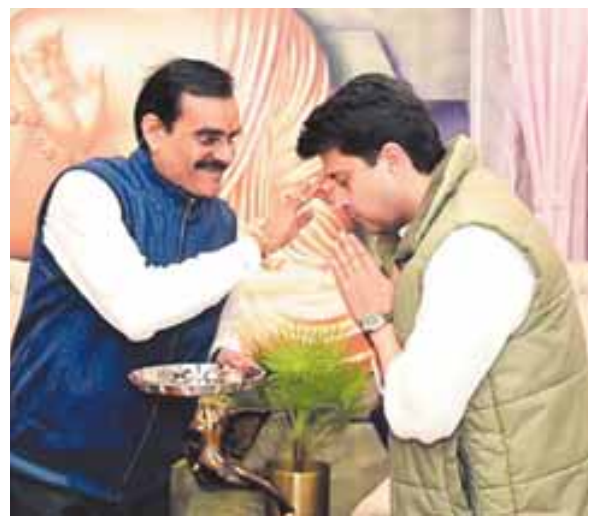

शर्मा ने बैठक की थी। वहीं, शनिवार देर रात केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी भोपाल में वीडी शर्मा से मिले थे। जिलाध्यक्षों को लेकर चल रहे विचार-मंथन के बीच भोपाल में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के निवास पर शनिवार देर रात केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मिलने पहुंचे थे।

जिलाध्यक्षों की घोषणा प्रदेश स्तर से ही होगी

छत्तीसगढ़ समेत अब तक जिन राज्यों में जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई है, वहां जिला निर्वाचन अधिकारियों और पर्यवेक्षकों ने जिले के पदाधिकारियों की बैठक बुलाकर जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की है। लेकिन, मध्यप्रदेश में विवाद से बचने पर्यवेक्षक और जिला निर्वाचन अधिकारी जिलों में जाकर घोषणा करने को राजी नहीं हैं। कई चुनाव अधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व से प्रदेश स्तर से ही घोषणा करने का अनुरोध किया है। इस पर सहमति बन गई है। इसके मुताबिक, प्रदेश चुनाव टोली ही जिलाध्यक्षों के नाम का ऐलान करेगी।

जीएमसी में 50 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

- 20 जनवरी को सेवा समाप्ति का लेटर थमाया, 13 को फिर होगी हड़ताल

भोपाल (नप्र)। हमीदिया अस्पताल के मैनेजमेंट ने 400 कर्मचारियों को निकालने की तैयारी है। इसी बीच 50 से अधिक कर्मचारियों को इस महीने की 20 तारीख तक सेवा समाप्ति के लेटर दिए जा चुके हैं। इसमें वार्ड बॉय, लैब टेक्नीशियन और कंप्यूटर ऑपरेटर शामिल हैं। इससे पहले जीएमसी ने इसे लेकर मैनेजमेंट ने निजी कंपनी को लेटर जारी किया किया था। बताया जा रहा है कि ये वे कर्मचारी हो सकते हैं, जिनकी जॉइनिंग कोविड के दौरान हुई थी। बता दें, हमीदिया अस्पताल में रोज 2500 से अधिक की ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) रहती है। 60 से अधिक ऑपरेशन होते हैं।

इससे पहले डीन कविता एन सिंह ने कहा था कि शासन से स्वीकृत पदों के मुकाबले हमीदिया में 400 कर्मचारी अधिक हैं। वर्तमान में शासन की ओर से जितने पद स्वीकृत हैं, उस आधार पर निर्णय लिया जाएगा। सैलरी के लिए हमीदिया अस्पताल के 500 से अधिक वार्ड बॉय महीने भर में पहले ही 2 बार हड़ताल कर चुके हैं।

अध्यक्ष आउटसोर्स कर्मचारी संघ हमीदिया हॉस्पिटल से मोहन सागर ने बताया कि 13 को हम एक बार फिर हड़ताल करने जा रहे हैं। इसके लिए हमने परमिशन ले ली है, क्योंकि अभी भी हमारी बकाया सैलरी कंपनी द्वारा नहीं दी जा रही है। वहीं 50 से अधिक कर्मचारियों को सेवा समाप्ति का लेटर मिल गया है। यह लेटर आगे भी दिए जा रहे हैं।

जीएमसी पर अभी भी बकाया

गांधी मेडिकल कॉलेज ने एजाइल कंपनी को हाल ही में करीब ढाई करोड़ रुपए का पेमेंट किया है। इसके बाद करीब 12 करोड़ रुपए जीएमसी पर बकाया है। इस वजह से कंपनी ने कर्मचारियों की सैलरी रोक दी है। दो महीने पहले कर्मचारियों की हड़ताल के बाद कंपनी को 1 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया था। हालांकि, तब दिवाली बोनस नहीं दिया गया था। इससे पहले इन कर्मचारियों ने तीन से चार बार कंपनी को पत्र लिखकर शिकायत की थी। पत्र के जवाब में कंपनी ने सिर्फ आश्वासन दिया था।

- मैनेजमेंट देता है 1100 से अधिक कर्मचारियों को सैलरी
- हमीदिया में 1800 से अधिक प्राइवेट कर्मचारी हैं।
- इनमें सफाईकर्मी, डेटा एंट्री ऑपरेटर्स, वार्ड बॉय, कंप्यूटर ऑपरेटर आदि शामिल हैं।
- मैनेजमेंट की ओर से 1100 से अधिक कर्मचारियों को सैलरी मिलती है।
- करीब 700 कर्मचारियों को एजाइल कंपनी की ओर से सैलरी दी जाती है।

दिव्य शक्तियां पहुंचाएंगी मंजिल तक : राज्यपाल

दिव्यांगजनों की शक्तियों से साक्षात्कार का अद्भुत आयोजन ब्लाइंड कार रैली

- राज्यपाल ने आरूषि संस्था की 20वीं ब्लाइंड चैलेंज कार रैली को दिखाई हरी झंडी
- भारत माता की जय और वंदे मातरम के जयघोष से वातावरण को किया गुंजायमान

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि ब्लाइंड चैलेंज कार रैली का आयोजन अद्भुत प्रसंग है। कार रैली में दिव्यांग नेवीगेटर, अपनी दिव्य शक्तियों से वाहन चालक को रास्ता बताकर मंज़िल तक पहुंचाएंगे। दिव्यांगजनों की शक्तियों से समाज का साक्षात्कार कराएंगे। राज्यपाल श्री पटेल आरुषि संस्था की 20 वीं ब्लाइंड चैलेंज कार रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने शुभारंभ कार्यक्रम में भारत माता की जय और वंदे मातरम के जय घोष से रैली में ऊर्जा का संचार करते हुए प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। राज्यपाल ने डी.बी. मॉल परिसर में आयोजित शुभारंभ कार्यक्रम में कार रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि दिव्यांगजनों के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए आरुषि संस्था के प्रयास सराहनीय है। राज्यपाल श्री पटेल का संस्था की बालिका सुश्री स्तुति दोशी ने पौधा भेंट कर स्वागत किया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय के डायरेक्टर डॉ. अमिताभ पाण्डे ने शॉल और स्मृति चिन्ह् भेंट कर अभिनन्दन किया। बालिका सुश्री स्नेहा ने भी अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में आरूषि संस्था के डायरेक्टर श्री अनिल मुदगल, उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री दिलीप सूर्यवंशी, कार रैली के दिव्यांग नेविगेटर, वाहन चालक, अन्य प्रतिभागी और उनके परिजन उपस्थितथे।

जीतू पटवारी बोले-सौरभ की डायरी में 1300 करोड़ का हिसाब

कहा-6 में इतना तो 66 पेज पर क्या होगा; तीन एजेंसियां नहीं कर पाई ठोस कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। भोपाल में इनोवा कार से पकड़े गए 54 किलो गोल्ड और 11 करोड़ कैश मामले में एक डायरी के कुछ पन्ने सामने आए हैं। दावा किया जा रहा है कि ये पन्ने पूर्व परिवहन कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा की डायरी के हैं। इसके बाद एमपी कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने जांच एजेंसियों पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि इस केस की जांच तीन एजेंसियां कर रही हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

पटवारी ने कहा कि न तो इस मामले में किसी की गिरफ्तारी हुई और न किसी से पूछताछ की गई। ऐसा लग रहा है कि जांच एक जगह आकर रुक गई है। इसके पीछे कौन है, यह पता लगाना जरूरी है। पटवारी ने जांच को जल्द और पारदर्शी तरीके से पूरा करने की मांग की, ताकि सच्चाई सामने आ सके। जीतू पटवारी ने परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा मामले में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

पटवारी बोले- डायरी और सौरभ का पता लगाना चाहिए: पटवारी ने कहा- सौरभ शर्मा के यहां लोकायुक्त, आयकर विभाग और ईडी ने छापेमारी की थी, जिसमें 100 करोड़ रुपए की संपत्ति, 11 करोड़ रुपए कैश और 55 किलो सोना बरामद

हुआ था। इस छापेमारी में एक डायरी का जिक्र हुआ था, जिसे मैंने कई बार उठाया है। यह डायरी पब्लिक डोमेन में आनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा- मैं प्रधानमंत्री से आग्रह करता हूं कि इस मामले में जल्द कार्रवाई की जाए। सौरभ शर्मा को सुरक्षा मिलनी चाहिए और ये पता लगाना चाहिए कि वह कहां है। प्रशासन और शासन जितनी देर करेंगे, डायरी और सौरभ शर्मा के वजूद पर सवाल उठते जाएंगे।

कोडवर्ड में लिखे नाम क्या अफसर और मंत्रियों के हैं: पटवारी ने कहा कि डायरी में 5 महीने के दौरान 50 करोड़ रुपए का हिसाब दिया गया है। डायरी के छह पेज सामने आए हैं, जिसमें बताया गया है कि पैसा कहां से आया और कहां गया।

भोपाल में चाकू मारकर कंस्ट्रक्शन ठेकेदार की हत्या

- बदमाशों ने घर में घुसकर दो भाइयों पर किया हमला, तार टूटने पर हुआ था विवाद

भोपाल (नप्र)। भोपाल के निशातपुरा इलाके में शनिवार शाम कंस्ट्रक्शन ठेकेदार की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। आरोप पांच आदतन अपराधियों पर लगा है। मृतक के निर्माणाधीन मकान की बल्ली पड़ोसी के तार पर गिर गई थी। इससे तार टूट गया, जिस कारण पहले दोपहर में विवाद हुआ। फिर शाम को आरोपियों ने घर में घुसकर हमला कर दिया। बचाव करने आए उसके भाई को भी गंभीर चोट आई है। इरफान अंसारी (32) ठेकेदारी करते थे। उनके भाई इमरान ने बताया कि इरफान का निर्माणाधीन मकान उमराव कॉलोनी करोंद में है। सैंटरिंग प्लेटों की सपोर्ट के लिए यहां बल्लियां लगी थी। एक बल्ली बाहर रोड पर जा गिरी। इससे पड़ोस में रहने वाले भैया उर्फ काले का बिजली का तार टूट गया। भैया इलाके का बदमाश है। तार टूटने के बाद उसने और उसके बेटे अरशू ने जमकर हंगामा किया।

राजीनामा के बाद दोबारा हमला किया

इरफान से बदसलूकी की। हालांकि मोहल्ले में रहने वाले जिम्मेदारों की समझाइश के बाद विवाद शांत हो गया। इमरान का आरोप है कि शाम को करीब 5:30 बजे भैया और अरशू व उसके साथी इमतीयाज मौलाना, आसिफ और शादाब ने दोपहर में राजीनामा हो जाने के बाद भी अचानक हमला किया। इस समय इरफान के साथ छोटा भाई रईस अंसारी भी था। सभी ने मिलकर दोनों भाइयों पर चाकू-छुरी से हमला किया। इलाज के लिए दोनों को हमीदिया में भर्ती कराया। जहां देर रात इरफान की मौत हो गई।आरोपियों ने घर में घुसकर कंस्ट्रक्शन ठेकेदार पर हमला कर दिया। बीच- बचाव करने आए उसके भाई को भी गंभीर चोट आई है।

टीआई बोले- जांच कर रहे हैं

टीआई रुपेश दुबे ने बताया कि, घटना की सूचना थाने में किसी ने नहीं थी। अस्पताल की ओर से भी सूचना नहीं मिली थी। किसी तीसरे व्यक्ति की ओर से मिली सूचना के बाद टीम को हमीदिया हॉस्पिटल भेजा है। फरियादी पक्ष के बयान दर्ज कर रहे हैं। जांच शुरू कर दी है।

स्वामी विवेकानन्द जयंती पर राज्यपाल ने किया नमन

राजभवन में स्वामी विवेकानन्द के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने स्वामी विवेकानन्द जी की जयंती पर उनको नमन किया। उन्होंने युवा तेज और ओज के प्रतीक स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। राजभवन के बेंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी श्री अरविंद पुरोहित, नियंत्रक श्रीमती शिल्पी दिवाकर और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंत्री सुश्री भूरिया ने उदयपुर में देश के कई राज्यों के महिला-बाल विकास मंत्रियों के सामने दिया प्रजेंटेशन

'मोटी आई' मॉडल बना झाबुआ की कुपोषण मुक्ति की मिसाल

भोपाल (नप्र)। राजस्थान के उदयपुर में केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित चिंतन शिविर में म.प्र. के झाबुआ का 'मोटी आई' मॉडल छा गया। शिविर के दूसरे दिन महिला बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने देश भर के महिला बाल विकास मंत्रियों के सामने आदिवासी अंचल में किए जा रहे इस नवाचार का जिक्र किया। उन्होंने इस मॉडल के सूत्रधार झाबुआ जिला प्रशासन की प्रशंसा की।

मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि मैं आदिवासी अंचल झाबुआ से आती हूं, जहां बच्चों में कुपोषण के बहुत सारे स्थानीय कारण मौजूद हैं। वैसे तो सम्पूर्ण म.प्र. में कुपोषण निवारण के लिए मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम प्रभावी ढंग से चलाया जा रहा है, किंतु जनजातीय बाहुल्य इलाकों की विशेष आवश्यकताओं को देखते हुए झाबुआ

जिले में 'मोटी आई' जैसा नवाचार किया गया है। इस नवाचार को स्थानीय कलेक्टर श्रीमती नेहा मीणा के द्वारा महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य व आयुष विभाग के संयुक्त सहयोग से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया की 'मोटी आई' जिसे बड़ी मां भी कहा जाता है उन्हें विशेष प्रशिक्षण दिया गया। मोटी आई के द्वारा कुपोषित बच्चों की आयुर्वेद के अनुसार तेल से नियमित मालिश की जा रही है साथ ही स्थानीय सहयोग से बच्चों को विशिष्ट पौष्टिक आहार दिया जा रहा है। 'मोटी आई' उन बच्चों के लिए वरदान बन गई है जिनके माता-पिता पलायन कर बच्चों को घर के बुजुर्ग के पास छोड़ गए हैं।

इस नवाचार की बदौलत आज बिना किसी बजट के झाबुआ जिले में 1950 गंभीर कुपोषित बच्चों के पोषण स्तर को सामान्य बनाने के लिए किए जा रहे एकजुट प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अब तक करीब 600 बच्चे गंभीर कुपोषण से उबरकर सामान्य पोषण की श्रेणी में आ गए हैं। मंत्री सुश्री भूरिया ने कहा कि जल्द ही झाबुआ जिले को पूरी तरह कुपोषण मुक्त बनाकर देश के सामने मॉडल के रूप में प्रस्तुत करेंगे। राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, राजस्थान की उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीयाकुमारी सहित विभिन्न राज्यों से आए महिला बाल विकास मंत्री मौजूद थे।

प्रयागराज महाकुम्भ में आकर्षण का केंद्र होगा 'एकात्म धाम'

संत समागम में द्वारिका शंकराचार्य श्री श्री सदानंद सरस्वती, जूनापीठाधीश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज होंगे शामिल

- शास्त्रार्थ सभा में श्रृंगेरी शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती
- अद्वैत वेदान्त पर विमर्श के साथ आचार्य शंकर के जीवन दर्शन पर लगेगी प्रदर्शनी, होंगे वैदिक अनुष्ठान

भोपाल (नप्र)। सनातन संस्कृति की दिव्य अनुभूति के महापर्व 'महाकुम्भ प्रयागराज : 2025' में तीर्थराज प्रयाग के पावन संगम तट पर आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, मध्यप्रदेश द्वारा अद्वैत वेदान्त दर्शन के लोकव्यापीकरण एवं सार्वभौमिक एकात्मता की संकल्पना के उद्देश्य से एक माह 12 जनवरी से 12 फरवरी 2025 तक 'एकात्म धाम शिविर' सेक्टर-18, हरिश्चन्द्र मार्ग, महाकुम्भ क्षेत्र, झूंसी, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश में किया जा रहा है। एकात्म धाम शिविर में प्रतिदिन अद्वैत वेदान्त पर केन्द्रित संवाद, श्रवण, मनन, निधिध्यासन द्वारा ध्यान, शास्त्रार्थ सभा, संत समागम, शंकर संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम, वैदिक अनुष्ठान एवं भाष्य पारायण, 'एकात्म धाम' प्रकल्प पर केन्द्रित प्रदर्शनी, अद्वैतामृतम्, विमर्श सभा, पुस्तक प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र होगी। पहली बार प्रयागराज महाकुम्भ में आएंगे श्रृंगेरी शंकराचार्य, शास्त्रार्थ सभा एवं संत समागम की करेंगे अध्यक्षता दशनामी संन्यास परम्परा के लाखों साधु-संत, संन्यासी, आचार्य महामंडलेश्वर, महंत सहित आर्ष परंपरा के मनीषी महाकुम्भ में सम्मिलित होते हैं। यह सुखद संयोग है कि इस बार महाकुम्भ में पहली बार श्रृंगेरी शंकराचार्य श्री श्री विधुशेखर भारती सन्निधानम् आएंगे, वे एकात्म धाम द्वारा 25 एवं 26 जनवरी को शास्त्रार्थ सभा एवं 27 जनवरी को संत-समागम की अध्यक्षता करेंगे। शास्त्रार्थ सभा में देश-दुनिया के प्रमुख विद्वान आएंगे जो आत्मा, जगत जैसे मनुष्य के जिज्ञास्य विषयों पर चिंतन की अनेक धाराओं के अनुसार विवेचना करेंगे।

अद्वैत एवं शांति विषय पर आयोजित विमर्श सभा में शामिल होंगे पद्मविभूषण श्री श्री रविशंकर, अद्वैत एवं पर्यावरण सत्र में एरिक सोहेम (नार्वे) होंगे शामिल

विमर्श सभा में देश- दुनिया के विद्वान 5 प्रमुख विषयों पर अद्वैत दर्शन की प्रासंगिकता पर विमर्श करेंगे। 28 जनवरी को अद्वैत एवं पर्यावरण विषय पर संयुक्त राष्ट्र संघ के पूर्व कार्यकारी निदेशक (पर्यावरण) एवं एकात्म धाम के एम्बेंसडर एरिक सोहेम, परमार्थ निकेतन के प्रमुख स्वामी चिदानंद मुनि, पद्मभूषण अनिल जोशी, 31 जनवरी को अद्वैत एवं विकास विषय पर नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, एरिक सोहेम, 2 फरवरी को अद्वैत एवं शांति विषय पर आर्ट ऑफ लिविंग के संस्थापक पद्मविभूषण श्री श्री रविशंकर, 4 फरवरी को अद्वैत एवं संस्कृति एवं 5 फरवरी को अद्वैत एवं विज्ञान विषय पर आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. कामकोटि, रामकृष्ण मिशन के स्वामी आत्मप्रियानंद, प्रो. मृत्युंजय गुहा सहित अनेक विषय विशेषज्ञ सम्मिलित होंगे।

शास्त्रार्थ चिंतन के मूल्यांकन की विशेष विधि है जिसमें विषय को प्रस्तुत किया जाता है और विद्वत परिषद वाद, जल्प और वितण्डा के रूप में समालोचनात्मक पद्धति से विचार करती है। शास्त्रार्थ सभा में प्रो. राजाराम शुक्ल (वाराणसी), प्रो. मणि द्रविड़ शास्त्री (चेन्नई), प्रो. श्रीहरि शिवराम धायगुड़े (तिरुपति) सहित अनेक विद्वान शामिल होंगे। संत समागम में श्रृंगेरी शंकराचार्य के साथ द्वारिका शंकराचार्य श्री श्री सदानंद सरस्वती, जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरि महाराज सहित हजारों साधु संत शामिल होंगे। शिविर में 12 से 17 जनवरी तक आनंदमूर्ति गुरू माँ आचार्य शंकर विरचित दृग्दृश्यविवेक, 25 से 27 जनवरी तक स्वामी परमात्मानंद सरस्वती 'कठोपनिषद', 6 फरवरी को स्वामिनी विमलानंद सरस्वती एवं 7 फरवरी को स्वामी मित्रानंद सरस्वती आचार्य शंकर के जीवन दर्शन पर संवाद करेंगे। 6-7 फरवरी को ही शाम 6 बजे से अभिनेता नीतिश भारद्वाज एवं कोरियोग्राफर मैत्रेयी पहाड़ी 'शंकर गाथा' की प्रस्तुति देंगी।

संपादकीय

हॉलीवुड ऑन फायर!

सन् 2009 में अमेरिका में एक डॉक्युमेंट्री रिलीज हुई थी। नाम था 'हॉलीवुड ऑन फायर'। तब शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह फिल्म 2025 में हकीकत में बदल जाएगी। हॉलीवुड समेत अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में लगी यह दावानल इतनी भंयकर है कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली और प्रौद्योगिकी सम्पन्न अमेरिका भी इस प्राकृतिक आपदा के आगे असहाय नजर आ रहा है। तमाम उपायों के बाद भी आग थमने का नाम नहीं ले रही है। इस भीषण आग से अब तक 38 हजार एकड़ जमीन और 11 हजार इमारतें जलकर राख हो चुकी हैं। 30 हजार इमारतें खतरे की कगार पर है। शहर के तमाम एटीएम पिघल चुके हैं। जली हुई गाड़ियां शहर भर में बिखरी पड़ी हैं। दो लाख आबादी को विस्थापित किया गया है। 11 लोगों की मौत हो चुकी है। बीमा के दायरे में आने वाली कुल संपत्ति के 8 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है, क्योंकि बहुत महंगी संपत्तियों को नुक़सान पहुंचा है। जिन सेलिब्रिटीज़ के घर तबाह हुए हैं उनमें एंथनी हॉप्किन्स, मेल गिब्सन, लीटन मेस्टर, एडम ब्रॉडी एक्टर, जेम्स वुड्स और पेरिस हिल्टन का शामिल हैं। यानी आग किसी को नहीं बख्शती। कभी सपनों और अमीरों का शहर रहा हॉलीवुड अब भुतहा शहर में तब्दील हो चुका है, मानों किसी ने इस नगर पर एटम बम गिरा दिया हो। लॉस एंजेलिस के अधिकारियों ने स्थानीय स्वास्थ्य इमर्जेंसी की घोषणा कर दी है। बताया जा रहा है कि वहां हवा की गुणवत्ता बेहद ख़राब है। पूरा आसमान राख के बारीक कणों और धुएं की चादर से ढंक गया है। लॉस एजेंल्स शहर जिसका एक हिस्सा हॉलीवुड है, में ऐसी भयंकर आग कैसे लगी? इस महाप्रश्न के कई उत्तर खोजे जा रहे हैं। जानकारों को आशंका है कि जलवायु परिवर्तन के अंतर्निहित प्रभावों के कारण भविष्य में भी आग भड़कने का कारण बना रहेगा। लेकिन आग पहले कहां से शुरू से हुई, इसकी जांच एजेंसियां कर रही हैं। कैलिफ़ोर्निया अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के अनुसार लॉस एंजेलिस में लगभग छह जगहों पर आग लगी और ये तेज़ी से फैली। इसका कारण वहां चल रहीं तेज 'सेंटा एना' हवाओं को बताया जा रहा है। कैलिफोर्निया में मौसम सूखा है। पानी की भी कमी है। पेड़ पौधे भी सूखने के कारण तेजी से आग पकड़ रहे हैं। इस बीच आग को लेकर अमेरिका में राजनीति भी शुरू हो गई है। इस भयंकर विनाश के लिए नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने निवर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन को दोषी ठहराया है। राजनीतिक आरोप प्रत्यारोप से हटकर इस तरह भयंकर आग का लगना और उस पर काबू पाने में असफल रहना न केवल अमेरिका बल्कि पूरी दुनिया के लिए गंभीर चेतावनी है। यह वाकई भयावह स्थिति है। अमेरिकी सरकार के रिसर्च में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पश्चिमी अमेरिका में बड़े पैमाने पर जंगलों में लगी भीषण आग का संबंध जलवायु परिवर्तन से है। अमेरिका में महासागर और वायुमंडल की निगरानी करने वाली एजेंसी के अनुसार, 'बढ़ती गर्मी, लंबे समय तक सूखा और शुष्क वायुमंडल सहित जलवायु परिवर्तन पश्चिमी अमेरिका के जंगलों में आग के ख़तरे की प्रमुख वजह रहे हैं।' प्रकृति से खिलवाड़ पूरी मानव सभ्यता के लिए महंगा साबित हो रहा है। बावजूद इसके दुनिया से समझ नहीं रही है या फिर समझना नहीं चाहती। क्षुद्र स्वार्थों के आगे मानव सभ्यता के भविष्य की चिंता गौण हो चुकी है। खुद डोनाल्ड ट्रंप इस दावानल और समय पर राहत उपाय न कर पाने के लिए भले बाइडेन सरकार को दोषी ठहरा रहे हों, लेकिन खुद उनके लिए पर्यावरण से ज्यादा चिंता अमेरिकी सीमाओं के विस्तार और दूसरे देशों के नैसर्गिक संसाधनों पर कब्जे की है।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

यूनियन कार्बाइड सियासत के घेरे में

अंततः यूनियन कार्बाइड के कचरे को पीथमपुर में जाकर नष्ट करने का तय हुआ। हाईकोर्ट के निर्देश व मप्र सरकार की पहल पर यह निर्णय अमल में आना शुरू हुआ।

1984 में लगभग 40 साल पहले भोपाल में यूनियन कार्बाइड में गैस रिसी थी और जिसके चलते सैकड़ों लोग मारे गये थे तथा लाखों लोग प्रभावित हुये थे। यूनियन कार्बाइड का कारखाना कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में ही मिक गैस का रिसाव हुआ था। यह गैस त्रासदी दुनिया में एक बड़ी त्रासदी थी। यूनियन कार्बाइड के मालिक विदेशी एनडरसन थे और उस समय स्वरू अर्जुन सिंह मप्र के मुख्यमंत्री थे और तथा केंद्र में स्व. राजीव गांधी श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या के बाद प्रधानमंत्री बन चुके थे। यद्यपि यह भी विचित्र है, और हमारे देश जनतंत्र कितना बिकाऊ है इसका भी प्रमाण है, कि लोग सभा के चुनाव भोपाल में इस गैस त्रासदी के कारण 6 माह को स्थगित कर दिये गये थे और प्रदेश सरकार ने इन 6 माह में मुपत राशन बाँटना शुरू किया था जिसकी कोई सीमा नहीं, जितना ले जा सकता है वह ले जाये और 6 माह के बाद जब चुनाव हुए तो इसी कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी जो इस घटना के लिये सबसे बड़ी अपराधी थी, भारी मतों से जीतकर आये। लगातार मीडिया के प्रचारात्मक दबाव में कंपनी के मालिक के खिलाफ भोपाल की अदालत में मुकदमा दर्ज हुआ था और भारत सरकार के निर्देश पर कंपनी के मालिक एंडरसन दिखावटी पेशी करने के लिये भोपाल आये थे। वे अमेरिका से चलकर दिल्ली पहुंचे थे और दिल्ली से शायद सरकारी विमान से भोपाल आये थे। भोपाल में कलेक्टर और एस.पी. ने उनकी अगवानी की थी तथा कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी और उसके बाद वह वापिस नहीं लौटे। सरकारें कैसे वैश्विक पूंजीपतियों के दबाव में काम करती हैं, उसका यह प्रमाण था। परंतु इतनी बड़ी घटना के बाद भी भोपाल के मतदाताओं का जमीर नहीं जागा। यूनियन कार्बाइड से जो हर्जाने की राशि आई उसकी बंदरबांट शुरू हुई और जो जितना ताकतवर था वह अपने हिस्से में सही या गलत उतना ही ले गया। चूंकि मिक गैस भारी होती है अतरू उसका सर्वाधिक प्रभाव भोपाल के निचले हिस्से में हुआ थास जहां आमतौर पर भोपाल के गरीब लोग रहते थे, परंतु कुछ ही समय बाद नये भोपाल के ऊँचाई पर स्थित उन पढ़े-लिखे और ताकतवर लोगों ने हर्जाना व पैसा मांगना शुरू कर दिया जिनमें से शायद ही कोई वास्तविक गैस पीड़ित हो। और यह मांग एक प्रकार से राजनैतिक एजेंडा बन गई।

लगभग 25 वर्ष पूर्व स्व. आलोक प्रताप सिंह ने जबलपुर उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी कि यूनियन कार्बाइड का जो कचरा है वह जहरीला है अतरू उसे भोपाल से हटाकर नष्ट किया जाये। इस याचिका के पीछे क्या कारण थे या कौन लोग थे यह कहना कठिन है परंतु हाईकोर्ट ने मप्र सरकार को कचरा हटाने के और उसके निस्तारण के निर्देश दिये। यह भी विचित्र है क्योंकि गैस घटना के कुछ दिनों बाद भोपाल के लोगों में सुरक्षा का विश्वास जगाने के लिये दो घटनायें हुई थीं-

1.स्व. राजीव गांधी प्रधानमंत्री व स्व. अटल बिहारी वाजपेयी विरोधी दल के नेता साथ-साथ भोपाल आये थे, कारखाने में गये थे और यह प्रचारित हुआ था कि गैस का जहरीलापन खत्म हो गया है। इस घटना को मीडिया ने जोर-शोर से प्रचारित किया था। हालांकि वही मीडिया अब अलग पक्ष रख रहा है। स्व. राजीव गाँधी, स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी की यह मित्रता व्यक्तिगत थी और दोनों दलों के छिपे गठबंधन की भी थी।

2. दूसरी घटना हुई थी कि जब स्व. मोतीलाल वोरा मुख्यमंत्री थे, भोपाल में एक यज्ञ स्व. शंकराचार्य स्वरूपानंद जी के सानिध्य में आयोजित किया गया था जो शासन द्वारा प्रायोजित था और जिसका भारी प्रचार हुआ था कि यह यज्ञ भोपाल के वायुमंडल के शुद्धिकरण के लिये है। जब प्रधानमंत्री व विरोधी दल के नेता ने गैस के असर को समाप्त होने का प्रमाण दे दिया जब स्व. शंकराचार्य ने वायुमंडल को शुद्ध कर दिया तो यह कचरे का जहर कहां से आ गया??

हाईकोर्ट के निर्देश के बाद लगातार प्रदेश सरकार इस कचरे के निस्तारण के लिये स्थान खोजने में प्रयासरत थी और अंततः जाकर यूनियन कार्बाइड का 337 टन कचरा धार जिले के पीथमपुर जो कि एक औद्योगिक केंद्र है, में निस्तारण का फैसला हुआ। कचरे की पहली खेप जो शायद 33 टन की है वह पहुंचा दी गई है। एक प्रमुख दैनिक अखबार ने इस घटना को ऐसा छापा है कि जैसे यह कोई महान घटना हो। उसके अनुसार आखिर 40 साल बाद भोपाल का बोझ उतरा परंतु यह नहीं सोचा जा रहा है कि यह कचरा अगर जहरीला था और बोझ है तो इसे पीथमपुर क्यों ले जाया गया। आखिर जो लोग वहां रहते हैं क्या वे इंसान नहीं हैं?? और राजधानी के जहर को सत्ता की ताकत से राज्य के छोटे कस्बे में ले जाकर वहां के जनजीवन को खतरे में डालना क्या उचित है और अमानवीय नहीं है? यह भी कहा जा रहा है कि इस कचरे को 1200 डिग्री सेल्सियस पर जलाया जायेगा जिसमें 150 मजदूर लगेंगे। अगर कचरे को जलाना उसका हल था तो भोपाल में क्यों नहीं जलाया गया। यूनियन कार्बाइड के आसपास अभी भी सघन बस्तियाँ बसी हैं जहां हजारों लोग रहते हैं। प्रतिवर्ष कारखानों में 3 दिसंबर को प्रार्थना सभायें इत्यादि होती हैं। यूनियन कार्बाइड परिसर में जानवरों व लुके छिपे लोगों का आना-जाना होता है। अगर वह सभी सुरक्षित हैं तो इसका मतलब कचरे में जहर नहीं बचा है। इसके बावजूद भी अगर उच्च न्यायालय व सरकार को केवल भोपाल के स्वास्थ्य की चिंता है तो यह एक असंवैधानिक निर्णय व कदम है, जो उच्च न्यायालय व सरकार उठा रही है। पीथमपुर और इंदौर में स्थानीय लोगों ने इसका विरोध भी शुरू किया है और स्थानीय भाजपा के लोगों की यह लाचारी है कि वे अपने राजनैतिक हितों के आधार पर इस विरोध में भले ही दिखावे को सही पर सहभागी बने। अब इस विरोध को शांत करने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भाजपा के नेता व सरकार के वरिष्ठ मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय को जिम्मा दिया है। निसंदेह यह उनका चतुर निर्णय है क्योंकि कैलाश विजयवर्गीय स्वतः ही पहले पीथमपुर के कचरे के निस्तारण का विरोध कर चुके हैं और अब उन्हें ही इसका समर्थन करना है। मुख्यमंत्री जी ने कहा है कि कचरे का निस्तारण सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत सावधानीपूर्वक हो रहा है। इस मुद्दे का राजनीतिकरण नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कचरे में 60 स्थानीय मिटटी व 40 प्रतिशत रसायनिक अवशेष तथा विशेषज्ञों के अनुसार 25 वर्ष में कचरे का विषैला प्रभाव खत्म हो जाता है, तो यह प्रश्न उठता है कि 40 वर्ष हो गये, जब स्वतः सरकार के अनुसार विषैला प्रभाव समाप्त हो गया है तो फिर उसे भोपाल में क्यों नहीं जलाया गया। 12 साल पहले जर्मनी जो भोपाल से 6000 किमी दूर है, वहां की संस्था जीआईजेड ने मात्र 25 करोड़ रुपये में कचरे को जर्मनी के हम्बर्ग में ले जाकर निस्तारण करने का प्रस्ताव दिया था, तब सरकारने इसे मंजूर क्यों नहीं किया? और अब इसी कचरे के निस्तारण पर केंद्र सरकार को 126 करोड़ रुपया खर्च करना पड़ रहा है। इस कचरे को पहले गुजरात के अंकलेश्वर और महाराष्ट्र के नागपुर में भी निस्तारण की योजना बनाई थी परंतु वहां के स्थानीय लोग व राज्य सत्ता की असहमति से इस योजना को रद्द कर दिया गया था। उस समय गुजरात के मुख्यमंत्री स्वतः नरेन्द्र मोदी थी, उन्होंने अपने प्रदेश के कचरे के निस्तारण को इंकार किया था। कहीं ऐसा तो नहीं है कि अब प्रधानमंत्री के इशारे पर लाचार मुख्यमंत्री को मप्र में ही इसके निस्तारण के लिये स्वीकृति देना पड़ी। हालांकि 4-1-25 को स्थानीय लोगों ने जिस तीव्रता से पीथमपुर में कचरा जलाने का विरोध किया। दो लोगों ने आग लगाकर आत्महत्या का निर्णय किया, उसके बाद, राज्य सरकार ने इस कार्यवाही को रोक दिया तथा कहा है कि जन भावनाओं से माननीय हाईकोर्ट को अवगत कराएंगे। संभवतः 6 जनवरी को इसकी सुनवाई होना थी। अब देखें हाईकोर्ट क्या निर्देश देता है। किस नए शहर को अब बली का बकरा बनाया जाएगा, देखना है।

यूनियन कार्बाइड लगभग 85 एकड़ की जमीन पर स्थापित था और इस कचरे के हटने के बाद जमीन पर शुद्धिकरण का कुछ नाटक होगा और फिर शायद यह जमीन बड़े-बड़े बिल्डरों को जिनकी पहुंच केंद्रीय सत्ता, राज्य सत्ता और मीडिया तक है, को दे दिया जायेगा। जहरीले कचरे के भये से और वैसे भी अपनी आर्थिक स्थिति के चलते यहां जमीन कोई सामान्य व्यक्ति तो नहीं ले सकेगा और संभव है इस आधार पर इस जमीन को सस्ते दामों पर मिटटी के भाव पर बिल्डर या उद्योगपति खरीद लें और उसका इस्तेमाल अपने व्यापार के लिये करें।

अंत में इतना ही, और कि अगर सरकार यह मानती है कि यूनियन कार्बाइडमें कचरे का जहर समाप्त हो गया है तो सरकार को चाहिए कि विधायक, शीर्ष अधिकारी, सांसदों, पूर्व सांसदों व पूर्व विधायकों को वहां आवास बनाकर दिया जाए। 85 एकड़ जमीन में शानदार विलासितापूर्ण भवन बन जायेंगे और हमारे विधायक, सांसद, अफ्सर बढ़िया आवासों में रह सकेंगे।

यह भी समाचार आये हैं कि आज या कल पूर्व मंत्री दत्तीगांव केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर विधायक नीता वर्मा आदि नेता मुख्यमंत्री से मिलेंगे और उनसे रिव्यू पिटीशन दायर करने की अपील करेंगे। यह आश्चर्यजनक है कि इतने लंबे समय से यह प्रकरण चल रहा है व पीथमपुर में जहरीले कचरे के निपटाने के समाचार छपरहे हैं परंतु भाजपा के केंद्रीय मंत्री, सांसद व विधायकों को मुख्यमंत्री से मिलने का समय नहीं मिला और अब अगर सरकार रिव्यू पिटीशन दायर करेगी तो जो कदम कचरे के निस्तारण के लिये पीथमपुर में करने का काम बढ़ा चुके हैं, कचरे की पहली खेप पहुंच चुकी है, सारा इलाका पुलिस छावनी बना हुआ है, गड्ढे खोद दिये गये हैं, लाठियाँ चल रही हैं, तब रिव्यू पिटीशन दायर करने का क्या औचित्य है? क्या सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट नहीं पूछेगा कि कचरे की पहली खेप के निस्तारण को लाने के बाद अब रिव्यू का क्या अर्थ है? लगता है कि शायद यह जनप्रतिनिधि अपनी राजनैतिक सुरक्षा के दिखावे के लिये कदम उठा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी भी केवल राजनैतिक लाभ के लिये बयानबाजी कर रही है। मीडिया के अनुसार श्री जीतू पटवारी प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा ताई से मिले। इतने वर्षों से जब यह मामला कोर्ट में चल रहा था तब वे व उनकी पार्टी मौन थी, उनकी पार्टी ने कभी भी विधानसभा या संसद में यह मुद्दा नहीं उठाया। जबकि वह स्वतः भी मालवा के निवासी हैं। कुल मिलाकर भाजपा व कांग्रेस तुम दोषी-तुम दोषी का नाटक खेलेगी, आम जनता को मूर्ख बनायेगी और सरकार कचरे के साथ-साथ जनआक्रोश का निस्तारण कर देगी।

राजनीति

डॉ. राघवेन्द्र शर्मा

स्वतंत्र लेखक

कांग्रेस राजनैतिक फायदे के लिए करती है संविधान का इस्तेमाल

वनस्पति हो अथवा जीव जंतु, इनमें एक प्रजाति परजीवी किस्म की पाई जाती है। इस प्रजाति की विशेषता यह होती है कि इसे अपने अस्तित्व को बनाए रखने के लिए संघर्ष करना नहीं आता। यह दूसरों की ऊर्जा का शोषण कर खुद को पोषित करने में लगी रहती है। कई बार परिणाम इतने नकारात्मक देखने को मिलते हैं कि यह परजीवी प्रजाति दूसरों का शोषण कर खुद तो दीर्घायु हो जाती है, लेकिन यह जिन पर निर्भर रहती है वह वनस्पति अथवा जीव जंतु अक्सर नष्ट होते रहते हैं। यदि भारतीय परिवेश में इस तरह के किसी राजनीतिक दल की खोज की जाए तो ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी। बेहद सहज भाव से यह समझ आ जाएगा की यहां बात कांग्रेस की हो रही है। जी हां, वह कांग्रेस ही तो है जो सदैव ही अपने समकक्ष अथवा स्वयं से छोटे बड़े राजनीतिक दलों का शोषण करके अपना अस्तित्व बचाती नजर आती रही है। अभी हाल ही के लोकसभा और विभिन्न राज्यों के विधानसभाओं के परिणामों पर गौर करें तो हम पाएंगे कि कांग्रेस वहां वहां चुनावी रूप से थोड़ा कामयाब रही, जहां वह अपने गठबंधन में शामिल अन्य राजनीतिक दलों की पीठ पर सवार थी। इससे वह स्वयं तो पोषित हुई, लेकिन उसके सहयोगी दल चुनावी घाटे का शिकार बनने को मजबूत रहे। यह भी गौर करने वाली बात है कि जहां-जहां कांग्रेस ने अपने बूते चुनाव लड़ा, वहां उसे भाजपा से मुंह की खानी पड़ गई।

आशय यह कि कांग्रेस सदैव दूसरों की ऊर्जा को शोषित कर स्वयं को हृष्ट पुष्ट बनाती रही, और उन दलों के विनाश का कारण भी बनी, जिनके सहयोग से वह सफलता प्राप्त करती रही। यही बात डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को लेकर संविधान विरोधी कांग्रेस द्वारा उनके नाम के दुरुपयोग करने पर भी लागू होती है। कांग्रेस ने जब चाहा तब इन दोनों का विरोध किया और जब उसे लगा कि उनके नाम की माला जप कर चुनावी बैतरणी पार की जा सकती है, तो दोनों की स्तुति से इन्हें लाज नहीं आई। आजकल कुछ ऐसा ही मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न प्रांतों में देखने को मिल रहा है। कुछ समय से कांग्रेस संविधान बचाने का नाटक करने और डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बनावटी महिमा मंडन में लगी हुई है। पहले उसने चुनावी फायदा हासिल करने के लिए संविधान को खतरे में बताया और अब यह दुष्प्रचार करने में लगी है कि भाजपा और उसके नेता डॉ भीमराव अंबेडकर का अपमान कर रहे हैं। इस बारे में विशेष रूप से केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के लोकसभा में दिए गए एक बयान को भ्रामक रूप देकर उछाला जा रहा है। जबकि सभी जानते हैं, चाहे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी हों, या फिर केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह समेत पूरी भारतीय जनता पार्टी, सदैव ही डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान का सम्मान करते आए हैं। जहां तक भाजपा का मत है तो यह पार्टी स्पष्ट रूप से यह मानती है कि आज यदि हम सरकार में हैं तो इसमें जनता का आशीर्वाद तो महत्वपूर्ण है ही, संविधान द्वारा प्राप्त संवैधानिक अधिकार पहले जन संघ और फिर बाद में भाजपा को जन विरोधी कांग्रेस सरकारों से लोहा लेने का संबल प्रदान करता रहा है। लेकिन कांग्रेस की ऐसी प्रवृत्ति रही है कि वह जब झूठ बोलती है तब इस बात की चिंता नहीं करती कि उसके बारे में जनता जनार्दन क्या सोच रही होगी। उदाहरण के लिए कांग्रेस जिन बाबा भीमराव अंबेडकर और संविधान के सम्मान का दिखावा कर रही है, सही मायने में वह इन दोनों की विरोधी है और सदैव ही इनके अनिष्ट की कामना करती रही है। इस बाबत पहले डॉ. भीमराव अंबेडकर की बात करते हैं। गोलमेज सम्मेलन के इर्द-गिर्द 14 अगस्त 1931 की बात है। मुंबई के मणि भवन में डॉ. भीमराव और महात्मा गांधी की महत्वपूर्ण मीटिंग हुई। इसमें कांग्रेस और कांग्रेसी नेताओं की कार्य प्रणाली पर बेहद तीखे सवाल उठाते हुए डॉ. भीमराव अंबेडकर ने महात्मा गांधी से कहा था कि इस पार्टी का दलित प्रेम और दलितों के प्रति सहानुभूति केवल और केवल दिखावा है। उनका स्पष्ट कहना रहा कि जब तक कांग्रेस और अंग्रेज दलितों के मामले से अलग नहीं हो जाते, तब तक इस वर्ग का भला हो ही नहीं सकता। 24 सितंबर 1932 को दलितों पर केंद्रित पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर हुए तब डॉ. अंबेडकर ने सार्वजनिक आरोप लगाए कि कांग्रेस ने दलितों के हितों से समझौता किया है। जब कांग्रेस का दलित विरोधी चेहरा खुलकर सामने आ गया तो यहीं से उन्होंने कांग्रेस से दूरी बनाना शुरू कर दी थी। यह दूरी तब स्पष्ट रूप से सामने आ गई जब संविधान सभा के गठन हेतु आयोजित चुनाव में डॉ. भीमराव अंबेडकर चुनाव लड़े तो उन्हें हराने में कांग्रेस के दक्षिण पंथी नेताओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। आजाद भारत में भी जब 25 अक्टूबर 1951 और 21 फरवरी 1952 के बीच 489 सीटों पर लोकसभा का चुनाव हुआ तो कांग्रेस से बुरी तरह निराश और क्षुब्ध डॉ भीमराव अंबेडकर को शेड्यूल्ड कास्ट फेडरेशन के बैनर पर चुनाव लड़ना पड़ा। कांग्रेस ने यहां भी उनका बुरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यहां डॉ. भीमराव अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस ने नारायण कजरोलकर को मैदान में उतारा और अंबेडकर साहब को हार का मुंह देखना पड़ गया। इस हार से भीमराव अंबेडकर को भारी सदमा लगा और वे लंबे समय तक बीमार बने रहे। अंततः 1956 में उनका देहावसान हो गया।

यह तो केवल बानगी है। यदि कांग्रेस द्वारा बाबा साहेब अंबेडकर का बुरा करने संबंधी आलेख पर केंद्रित रहे तो मीडिया का बड़ा से बड़ा प्लेटफार्म भी छोटा पड़ जाएगा। इसलिए कुछ बातें संविधान की भी कर लेते हैं। कांग्रेस ने अपने जन विरोधी आचरण के चलते संविधान को जिस तरह से तोड़ा मरोड़ा वह अनिर्वचनीय है। इसमें सबसे बड़ा उदाहरण तो इमरजेंसी है। तब अदालत द्वारा दिए गए संविधान सम्मत फैसले को कांग्रेस शासित सरकार की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पलट दिया था। उनका अवैध चुनाव उनके राजनीतिक निर्वासन का कारण ना बने, सिर्फ इसलिए देश पर इमरजेंसी ठोक दी गई। देश आज भी उस अलोकतांत्रिक समय को काला दिवस के रूप में याद करता है। कांग्रेस की यही कार्य प्रणाली शाहबानो केस में उभर कर सामने आती है। उल्लेखनीय है कि उन दिनों शाहबानो के पति ने उसे टेलीग्राम के माध्यम से 3 तलाक भेज दिया था। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक घोषित कर दिया तथा ऐसा करने पर 3 वर्ष का कारावास व गुजारा भत्ता देना होगा, ये प्रावधान भी कर दिया। बर्ष 1986 में जब कांग्रेस को संसद में पूर्ण बहुमत प्राप्त था, तब उसने एक कानून पास किया, जिसने शाह बानो मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय को उलट दिया। देश का बुद्धिजीवी वर्ग और प्रगतिशील मुस्लिम धर्मावलंबी आज भी मानते हैं कि कांग्रेस सरकार का उक्त निर्णय संविधान की हत्या के समान था। उसने यह कृत्य राजनीतिक फायदा हासिल करने की दृष्टि से कट्टरवादी मुस्लिम नेताओं को खुश करने हेतु कारित किया था। ऐसे अनेक उदाहरण भारतीय इतिहास में भारी पड़े हैं, जब कांग्रेस ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और संविधान का कई बार अनिष्ट किया। किंतु इस लेख में प्रस्तुत उदाहरण के माध्यम से सहज ही समझा जा सकता है कि कांग्रेस कभी भी डॉक्टर भीमराव अंबेडकर और भारतीय संविधान की सगी नहीं थी, ना है और ना ही कभी हो पाएगी। कितनी हास्यास्पद बात है, वही संविधान विरोधी, अंबेडकर विरोधी कांग्रेस आज संविधान और बाबासाहेब अंबेडकर के नाम की आड़ लेकर अपने पाप छुपाने का अक्षम्य में अपराध कारित करने में संलग्न है। कांग्रेस और कांग्रेसियों के इस आचरण पर केवल अफसोस ही जताया जा सकता है। लेकिन देश के अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को भी इस सच्चाई से वाकिफ होना होगा। इसी में जनता जनार्दन की भलाई है।

उल्लुओं का परिवार नियोजन और आंदोलन की चेतावनी

कटाक्ष

प्रीतम लखवाल

लेखक व्यंग्यकार हैं।

भारत देश विविधताओं का देश है। यहां भांति-भांति के लोग रहते हैं। अनेक प्रकार के प्राणियों की संख्या चिंतनातीत है। इन सब विशेषताओं के चलते मेरा भारत महान कहने में कोई हर्ज महसूस नहीं होता। वैसे कहा जाता है कि हर शाख पर उल्लू बैठे हैं। हर नागरिक गुलिस्तां की चिंता में दुबला हुआ जा रहा है कि अंजाम क्या होगा। वह तो हम देख ही रहे हैं। बात उल्लुओं की चली है तो उल्लू उतना भी उल्लू नहीं है। जितना उसके बारे में कहा जाता है। बहुत काम का जानवर है। शायद इसलिए ही उल्लू प्रजाति अपने आप को धन्य मानती है। हो भी क्यों न महालक्ष्मी ने उसे अपना वाहन जो बना रखा है, इसलिए उल्लुओं के यहां खजाने में सबकुछ मिलता है। धन धान्य से वे फलीभूत रहते हैं। इतना ही नहीं सरकारें भी इन्हीं पर अधिक मेहरबान रहती है। नेताओं का कहना ही क्या? वे तो जनता को ही उल्लू बनाने में अपनी महारत को इस्तेमाल कर अपना कद और पद दोनों बढ़ा लेते हैं। इनकी इस काबिलियत के चलते देश में उल्लुओं की तादाद में घोर इजाफा हो गया है। उल्लुओं की बढ़ती जनसंख्या के कारण सारी व्यवस्थाएं और सुविधाएं अस्त-व्यस्त हो गई हैं। ऐसा लगता है कि आने वाले समय में इनकी तादाद और बढ़ेगी। वैसे भी चुनाव का सीजन इनके बढ़ने का सबसे सुयोग्य मौका होता है। इस दौर में ही उम्मीदों की सूखी शाखों पर ये महाशय विराजमान हो जाते हैं। वैसे इनको दिन के उजाले से कोई मतलब नहीं होता। इनकी आंखें चौंधिया जाती है। इसलिए अधिकांश रैलियां और सभाओं को अब शाम के समय करने का प्लान बनाया जा रहा है। हमारे एक मित्र हैं। उनसे मिस्टर गुलाटीलाल ने पूछा-बताओ खुमारचंद उल्लू होते हैं या बनाए जाते हैं? अब खुमारचंद अपना माथा खुजाने लगे। बहुत देर तक इस सवाल का जबाव तलाश करते रहे, लेकिन जबाव सूझ नहीं रहा था। फिर वे तपाक से बोले- उल्लू होते भी हैं और बनाए भी जाते हैं। अब गुलाटीलाल की मुख मुद्रा बदल गई और वे थोड़ा खीज के बोले-यार तुम्हें इतना भी नहीं पता कि उल्लू होते हैं। उनको बनाया कैसे जा सकता है। उनके निर्माण के लिए कोई फैक्ट्री-वैक्ट्री लगी हुई है क्या? वे बोल-बस इतना समझ लो कि उल्लू केवल होते हैं। बस उन्हें उनकी उल्लुलियत का एहसास करना भर होता है। चुनाव से लेकर अगले चुनाव तक यही क्रम चलता रहता है। खुमारचंद को बात समझ में आ गई और वे अपनी मोटरसाइकिल उठाकर भुर्र से चल दिए। इधर, विशेष रेवड़ी वितरण अभियान के प्रमुख ने भी अपनी नई घोषणा कर दी कि अब देश में उल्लुओं का परिवार नियोजन किया जाएगा। इनके चक्कर में सरकार पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। यह खबर जैसे ही मीडिया में आई। तमाम उल्लुजन अपनी-अपनी शाखों पर अपने पंख फड़फड़ाने लगे। उल्लु संगठन ने तय किया कि हम सब मिलकर इस परिवार नियोजन अभियान का विरोध करेंगे। इसके तुरंत बाद फिर से नारे, रैलियां और सभाएं होने लगी।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

मुकेश नेमा

लेखक मध्यप्रदेश के प्रशासनिक अधिकारी हैं।

निहारना सबसे ज्यादा खतरनाक गतिविधि

देखना ताकना निहारना। ये सब जो हैं ख़तरे का सबब हैं। देखने से ताकना थोडा ज्यादा और निहारना सबसे ज्यादा खतरनाक गतिविधि है।

देखना, क्षणिक अचानक। इसमें प्रायः दूरगामी इरादे शामिल होते नहीं। इसे अन्यथा नहीं लिया जाता। ताकने को हमारे यहाँ छिछोरापन कहा जाता है। छिछोरापन पीटे जाने का निमंत्रण है। छिछोरे पीटे जाते है और आमतौर पर छिछोरों द्वारा ही पीटे जाते हैं। निहारने में श्रद्धा का पुट, आरती उतारने और बलिहारी जाने जैसा भाव। और जो बलिहारी जाता है उसकी बलि चढ़ती ही है।

देखने को निहारना माना जाए या ताकने मे गिना जाए ये सामने वाले के मूड पर निर्भर करता है। मुमकिन है जिसे आपने देखा भर वो उसे वो निहारना मान ले। निहार रहे हों वो उसे ताकना गिन ले। अब ये उसके उपर कि वो उसका बुरा माने या अच्छा माने। बुरा मानने मे आप के साथ बुरा हो सकता है। तत्काल मौके पर ही ठोके जा सकते हैं आप। पर अच्छा मानने में भी अच्छा हो ये बात ठोक बजा कर नही कही जा सकती।

अच्छा मानने में राजी हो जाने की संभावनाएं। अच्छा मानने वाले साथ हो लेते हैं। ये अच्छा इतना बुरा हो सकता है कि आप फिर ज़िंदगी भर इसका सोग मनाए कि ये उस निहारने को ताकना मान लेती। बुरा मान जाती तो सौदा सस्ते मे निपट जाता।

सो देखें। पर ऐसे कि सामने वाले को ताकना न लगे। ताकना लग भी जाए तो निहारना हरगिज न लगे। जिसे आपका निहारना पसंद आ जाए वो चाहती है आप उसे निरंतर निहारे। समय चाहिए होता है निहारने के लिए। निहारना ज़िम्मेदारी है। ज़िम्मेदारी उठाने के लिये पैसा कमाना पड़ता है। पैसे कमाने के लिए नब्बे घंटे काम करना पड़ सकता है। नब्बे घंटे काम करने के बाद आप निहारने लायक़ नही बचते। नब्बे घंटे काम करने का माद्दा बस कोल्हू के बैल में। कोल्हू के बैल की आँखों पर पट्टी बाँधीं जाती है ताकि वो किसी को निहार न सके। यदि आप बैल नही होना चाहते। आदमी बने रहना चाहते हैं तो देखने या ताकने से काम चलाएँ।

सुब्रमण्यम एस एन हो स्वामी। सुब्रमण्यम होने का मतलब यह ना निकालें कि वो कभी गंभीर बात कर ही नही सकते। माने उनकी। बचे निहारने से। निहारने से बचे वक़्त में काम करें। इसमें आपका तात्कालिक नुक़सान भले हो पर आपके दीर्घकालिक हित इसी में हैं।

कानून और न्याय
वरिष्ठ नागरिक
विनय झैलावत
(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

देखभाल में विफलता पर उपहार रद्द करने का अधिकार

वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण मामले में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक अत्यंत ही महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। कहा गया कि एक बुजुर्ग द्वारा अपने संतान के पक्ष में निष्पादित उपहार विलेख को रद्द किया जा सकता है, बशर्ते कि संतान उसकी देखभाल के अपने दायित्व को पूरा करने में विफल रहती है। यह निर्णय माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के रखरखाव और कल्याण अधिनियम, 2007 के प्रावधानों को लागू करने के महत्व को रेखांकित करता है।

यह मामला माता उर्मिला दीक्षित और उनके बेटे सुनील शरण दीक्षित के बीच संपत्ति विवाद के इर्द-गिर्द घूमता है। माता द्वारा सन् 1968 में खरीदी गई एक संपत्ति को 9 सितंबर 2019 को एक उपहार विलेख के माध्यम से अपने बेटे को हस्तांतरित कर दी गई थी। उपहार विलेख में एक खंड शामिल था, जिसमें कहा गया था कि बेटा अपनी मां की देखभाल करेगा और उसकी जरूरतों को पूरा करेगा। हालांकि, यह आरोप लगाया गया था कि सुनील इन दायित्वों का पालन करने में विफल रहा। इससे उसकी मां और पिता संकट में पड़ गए। 24 दिसंबर, 2020 को, उर्मिला ने मध्य प्रदेश के छतरपुर में उप-मंडल मजिस्ट्रेट से संपर्क किया। इसमें माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक अधिनियम, 2007 के रखरखाव और कल्याण की धारा 22 और 23 के तहत उपहार विलेख को रद्द करने की मांग की गई। मां ने दावा किया कि उसका बेटा न केवल उसकी देखभाल करने में विफल रहा, बल्कि उनके साथ शारीरिक हमलों सहित दुर्व्यवहार भी किया। एसडीएम. ने उपहार विलेख को अमान्य घोषित कर दिया। इस निर्णय को जिला कलेक्टर और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने भी बरकरार रखा।

हालांकि, उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने इन फैसलों को यह कहते हुए उलट दिया कि उपहार विलेख में स्पष्ट रूप से कानूनी रूप से लागू करने योग्य रखरखाव खंड शामिल नहीं था। इस परिणाम से असंतुष्ट माता उर्मिला ने उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। मामले के केंद्र में माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक के रखरखाव और कल्याण अधिनियम, 2007 की धारा 23 है। यह प्रावधान वरिष्ठ नागरिकों को उपहार या अन्य माध्यमों से हस्तांतरित संपत्ति को पुनः प्राप्त करने की अनुमति देता है, यदि हस्तांतरणकर्ता बुनियादी देखभाल और सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहता है। एक सामाजिक कल्याण उपाय के रूप में तैयार किए गए इस अधिनियम का उद्देश्य बुजुर्गों को उपेक्षा से बचाना और तेजी से बदलते सामाजिक ताने-बाने में उनकी गरिमा सुनिश्चित करना है। वैसे भी समाज में संयुक्त परिवार प्रणाली समाप्त हो रही है।

सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रमुख कानूनी मुद्दे यह थे कि क्या मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की खंड पीठ ने पहले के फैसलों को पलटने में गलती की थी। साथ ही अधिनियम के प्रावधानों की व्याख्या कैसे की जानी चाहिए, सख्ती से, जैसा कि डिवीजन बेंच ने तर्क दिया, या उदारता से, इसके कल्याण-उन्मुख उद्देश्यों के अनुरूप। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार और न्यायमूर्ति संजय करोल की खंडपीठ ने एक विस्तृत निर्णय दिया। इसमें अपीलार्थी के अधिकारों को बहाल किया गया और मध्य प्रदेश की खंडपीठ के फैसले को रद्द कर दिया गया। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि रखरखाव अधिनियम के तहत न्यायाधिकरणों के पास न केवल उपहार विलेखों को रद्द करने का अधिकार है। बल्कि, वरिष्ठ नागरिकों को संपत्ति का कब्जा भी बहाल करने का अधिकार है। सर्वोच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की डिवीजन बेंच को इस व्याख्या को खारिज कर दिया कि अधिकरण कब्जे का आदेश नहीं दे सकते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि इस तरह का संकीर्ण दृष्टिकोण अधिनियम के उद्देश्यों को कम करता है।

धारा 23 की व्याख्या करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि जहां कोई वरिष्ठ नागरिक, जिसने इस अधिनियम के पश्चात अपनी संपत्ति का दान के रूप में या अन्यथा अंतरण इस शर्त के अधीन रहते हुए किया है कि अंतरिती, अंतरण को बुनियादी सुख-सुविधाएं और बुनियादी भौतिक आवश्यकता प्रदान करने से इंकार करेगा और ऐसा अंतरिती ऐसी सुख-सुविधाओं तथा भौतिक आवश्यकताएं प्रदान करने से इंकार करेगा या असफल रहेगा तो संपत्ति का उक्त अंतरण कपट या उत्पीड़न अनावश्यक प्रभाव के अधीन किया गया समझा जाएगा। इसके अलावा यदि कोई वरिष्ठ नागरिक उपधारा (1) और उपधारा (2) के अधीन अधिकार को प्रवर्तित कराने में असमर्थ है तो धारा 5 की उपधारा (1) के स्पष्टिकरण में निर्दिष्ट किसी संगठन द्वारा उसकी ओर से कार्रवाई की जा सकेगी।

यानी, अगर कोई माता-पिता या वरिष्ठ नागरिक किसी संतान को या अपने परिजन को उपहार विलेख या कोई उक्त प्रकृति का कोई विलेख निष्पादित करता है, तो उस पर उक्त वरिष्ठ नागरिक/माता-पिता की देखभाल करने का दायित्व हो जाता है, जिसके अभाव में उक्त विलेख शून्य प्रभावी होगा।

सर्वोच्च न्यायालय ने एसडीएम, जिला कलेक्टर और उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश के पहले के फैसलों को बहाल करते हुए खंडपीठ के फैसले को रद्द कर दिया। न्यायालय ने उपहार विलेख को अमान्य घोषित कर दिया गया। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के रखरखाव और कल्याण अधिनियम, 2007 बुजुर्ग व्यक्तियों के कल्याण और उनकी उपेक्षा को कम के लिए बनाया गया है। इसकी जानकारी बुजुर्गों और माता-पिता को होना आवश्यक है।

अधिनियम के अंतर्गत बच्चों की परिभाषा में (नाबालिग बच्चों को छोड़कर) बच्चे और नाती-पोते शामिल हैं। जबकि, विधेयक इस परिभाषा में सौतेले पुत्र, दत्तक पुत्र (जिन्हें गोद लिया गया है), पौत्र, पौत्री, बहु, दामाद को शामिल करता है। इसके अलावा यह विधेयक नाबालिग बच्चों के वैधानिक अभिभावक को भी इसमें शामिल करता है। इसके अतिरिक्त अधिनियम के अनुसार संबंधी का अर्थ किसी संतान रहित वरिष्ठ नागरिक के वैधानिक उत्तराधिकारी से है जिसके पास उस वरिष्ठ नागरिक की संपत्ति है या उसकी मृत्यु के बाद विरासत में मिलेगी। इसमें नाबालिग बच्चे शामिल नहीं है, जबकि विधेयक में नाबालिग बच्चों को भी शामिल किया गया है जिनका प्रतिनिधित्व उनके वैधानिक अभिभावक करेंगे।

अधिनियम में माता-पिता का अर्थ जैविक, गोद लेने वाले और सौतेले माता-पिता से है, जबकि विधेयक माता-पिता की परिभाषा में सास-ससुर, दादा-दादी और नाना-नानी को भी शामिल करता है। अधिनियम के अंतर्गत भरण-पोषण में भोजन, कपड़ा, आवास, चिकित्सीय सहायता और उपचार शामिल है, जबकि विधेयक भरण-पोषण में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिये स्वास्थ्य देखभाल, बचाव और सुरक्षा के प्रावधान को भी शामिल करता है ताकि वे गरिमापूर्ण जीवन जी सकें। अधिनियम के तहत कल्याण में भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और वरिष्ठ नागरिकों के लिय जरूरी अन्य सुविधाएं शामिल हैं, जबकि विधेयक कल्याण में आवास, कपड़े, सुरक्षा और वरिष्ठ नागरिकों या माता-पिता के शारीरिक एवं मानसिक कल्याण के लिये आवष्यक अन्य सुविधाओं को भी शामिल करता है।

अधिनियम के अंतर्गत राज्य सरकारें भरण-पोषण अधिकरण बनाएंगी ताकि वरिष्ठ नागरिकों और माता-पिता को देय भरण-पोषण राशि पर निर्णय किया जा सके। यह अधिकरण बच्चों और संबंधियों को निर्देष दे सकता है कि वे माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण हेतु दस हजार रूपए का मासिक शुल्क अदा करें। विधेयक भरण-पोषण शुल्क की अधिकतम सीमा को भी हटाता है तथा अधिकरण को इस शुल्क की अधिकतम राशि निर्धारित करने की शक्ति देता है। अधिकरण भरण-पोषण की राशि पर फैसला करने के लिए माता-पिता या वरिष्ठ नागरिक का जीवन स्तर और आय एवं बच्चों की आय पर विचार कर सकता है।

अधिनियम में यह भी अपेक्षा की गई है कि वरिष्ठ नागरिक के बच्चे और संबंधी आदेश के तीस दिनों के भीतर संबंधित माता-पिता या वरिष्ठ नागरिक को भरण-पोषण की राशि दें। विधेयक इस अवधि को तीस दिन से घटाकर पन्द्रह दिन भी करता है। अधिनियम के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिक या माता-पिता को त्यागने पर तीन महीने की कैद या पांच हजार रूपए का जुर्माना या दोनों सजा हो सकती है, जबकि विधेयक कैद की अवधि को तीन महीने से बढ़ाकर छह महीने और जुर्माने की राषि को बढ़ाकर अधिकतम दस हजार रूपए करता है या दोनों सजाएं साथ-साथ भुगतनी पड़ सकती है।

विधेयक में यह प्रावधान भी है कि अगर बच्चे या संबंधी भरण-पोषण के आदेश का अनुपालन नहीं करते तो अधिकरण देय राषि की वसूली के लिये वारंट जारी कर सकता है। इसके साथ ही जुर्माना न चुकाने की स्थिति में एक महीने तक की कैद या जब तक जुर्माना नहीं चुकाया जाता तब तक की कैद हो सकती है। अधिनियम में यह भी प्रावधान है कि अधिकरण की कार्यवाही के दौरान माता-पिता का प्रतिनिधित्व भरण-पोषण अधिकारी द्वारा किया जाएगा, जबकि विधेयक के अंतर्गत भरण-पोषण अधिकारी से भरण-पोषण के भुगतान से संबंधित आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करना तथा माता-पिता या वरिष्ठ नागरिकों के लिये संपर्क सूत्र का काम करना अपेक्षित है।

पर्व विशेष
योगेश कुमार गोयल
लेखक पत्रकार हैं।

लोहड़ी : अग्नि के प्रकाश में समृद्धि का उत्सव

उत्तर भारत में मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में खासतौर से पंजाबी समुदाय में तो इस पर्व पर एक अलग ही उत्साह देखा जाता है। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं। पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे 'पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है।

जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती हैझ और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आव्हान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं। लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया।

गंजीबार के राजा को इसकी जानकारी मिली तो वह बौखला उठा। उसके आदेश पर उसकी सेना ने दुल्ला भट्टी के ठिकाने पर धावा बोल दिया किन्तु दुल्ला भट्टी और उसके साथियों ने राजा को बुरी तरह धूल चटा दी। दुल्ला भट्टी के हाथों गंजीबार के शासक की हार होने की खुशी में गंजीबार में लोगों ने अलाव जलाए और दुल्ला भट्टी की प्रशंसा में गीत गाकर भंगड़ा डाला। कहा जाता है कि तभी से लोहड़ी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सुन्दरी व दुल्ला भट्टी को विशेष तौर पर याद किया जाने लगा।

लोहड़ी से पहले ही बच्चे इकट्ठे होकर लोहड़ी के गीत गाते हुए घर-घर जाकर लोहड़ी मांगने लगते हैं। इस दिन उत्सव के लिए लकड़ियां व उपले एकत्र करने के लिए भी बच्चे कई दिन पहले ही जुट जाते हैं। वैसे समय बीतने के साथ-साथ अब घर-घर से लकड़ियां मांगकर लाने की परम्परा समाप्त होती जा रही है। बहुत से स्थानों पर लोग अब लकड़ियां व उपले बच्चों के जरिये मांग-मांगकर एकत्र कराने के बजाय खरीदने लगे हैं।

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रातः अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को 'ईश्वर का उपहार' मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

यूनियन कार्बाइड के कचरे का निपटारा और उससे जुड़े सवाल और सरकार के जवाब

जीरो डिस्चार्ज तकनीक से जलेगा कचरा, नुकसान की आशंका भी शून्य

1. भोपाल गैस कांड का कचरा क्या है?

भोपाल गैस त्रासदी कचरा यूनियन कार्बाइड परिसर में भण्डारित रसायनिक अवशेष एवं परिसर की मिट्टी है। इसमें मुख्यतः 5 प्रकार के 337 मीट्रिक टन अपशिष्ट हैं-

(1) परिसर की मिट्टी - 162 मीट्रिक टन
(2) रिएक्टर अवशेष -29 मीट्रिक टन
(3) सेविन अवशेष - 92 मीट्रिक टन
(4) नेफ्थाल अवशेष- ऊपर बताए गए में शामिल
(5) सेमीप्रोसेस्ड अवशेष -54 मीट्रिक टन

नेफ्थाल की शेल्फ लाइफ 5 साल है, सेविन (कारबारील) की हाफ-लाइफ अधिकतम 5 साल है। 2-3 दिसंबर 1984 की रात हुई भोपाल गैस त्रसादी को 40 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इसप्रकार इन दोनों रसायनों की 8 शेल्फ-लाइफ/ हाफ-लाइफ पूर्ण हो चुकी है। दोनों रसायन का प्रभाव लगभग नगण्य हो गया है। गैस त्रासदी मिथाइल आइसो साइनेट गैस की वजह से हुई थी। 40 वर्ष पश्चात मिथाइल आइसो साइनेट गैस अस्तित्व में नहीं है।

2. यूनियन कार्बाइड में रखे कचरे को जलाना क्यों आवश्यक है?

यूनियन कार्बाइड द्वारा पेस्टीसाइड का उत्पादन किया जाता था। इससे उत्पन्न होने वाला कचरा परिसंकटमय एवं अन्य अपशिष्ट (प्रबंधन एवं सीमापार संचलन) नियम 2016 के अनुसूची-1 के अनुसार खतरनाक श्रेणी में वर्गीकृत है। अतः इस कचरे का निष्पादन उक्त नियम में दिये अनुसार विधि तथा वैज्ञानिक तरीके से किया जाना अनिवार्य है। इस कचरे में कार्बोनिक पदार्थ हैं इस कारण इसे इंसीनरेटर में जलाना आवश्यक है।

3. इस कचरे को पीथमपुर में ही क्यों जलाया जा रहा है ?

भारत सरकार द्वारा बनाये गये नियम परिसंकटमय अपशिष्ट (प्रबंधन एवं हथालन) नियम 1989 के अंतर्गत दिये गये निर्देशानुसार प्रत्येक राज्य को उसके अंतर्गत विभिन्न उद्योगों/संस्थानों से उत्पन्न होने वाले परिसंकटमय/ खतरनाक अपशिष्ठ के डिस्पोजल हेतु एक डिस्पोजल साईट का निर्माण किया जाना था

प्रदेश में पीथमपुर में ही सबसे ज्यादा उद्योगों की संख्या होने की वजह से एवं अपशिष्ठ की मात्रा भी अधिक होने के कारण पीथमपुर इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट प्रायवेट लिमिटेड का निर्माण पीथमपुर में किया गया है, जो 2006 से रामकी इन्वायरो द्वारा संचालित किया जा रहा है।

राज्य में केवल एक ही डिस्पोजल साइट पीथमपुर में होने के कारण अपशिष्ट का निष्पादन पीथमपुर में किये जाने हेतु उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा निर्देश दिये गये हैं। उच्च न्यायालय जबलपुर के आदेश दिनांक 03/12/2024 के अनुपालन में पीथमपुर स्थित मेसर्स रामकी इन्वायरो के इंसीनरेटर/भस्मक में जलाकर निष्पादन करने का आदेश दिया गया।

न्यायालय के आदेश के पालन के लिए 1 जनवरी 2025 को कचरा पीथमपुर स्थित रामकी इन्वायरो में लाया गया है।

4. पीथमपुर प्लांट में कचरे को जलाने के लिये किस प्रकार की सुविधा है ?

रामकी परिसर में स्थापित भस्मक की तकनीकी जानकारी व अपशिष्ट निष्पादन हेतु उपयुक्तता रामकी इन्वायरों पीथमपुर में 1.5 टन प्रति घंटा क्षमता का भस्मक स्थापित है जो वर्ष 2010 से कार्यरत है। भस्मक विभिन्न प्रकार के ठोस अपशिष्ट, सेमीसॉलिड एवं तरल अपशिष्ट के जलाने हेतु उपयुक्त है। उक्त भस्मक द्वारा विभिन्न उद्योगों के परिसंकटमय अपशिष्ट का निपटान विगत 14 वर्ष से किया जा रहा है।

भस्मक में प्राथमिक दहन कक्ष, द्वितीय दहन कक्ष व गैसों के ट्रीटमेंट हेतु वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाएं स्थापित हैं। प्राथमिक दहन कक्ष में 850 डिग्री तापमान व द्वितीयक दहन कक्ष में 1200 डिग्री तापमान पर कचरे को जलाया जाता है जिससे किसी प्रकार की खतरनाक गैसें जैसे डायाक्सिन एवं फ्यूरॉन आदि गैसेस उत्पन्न नहीं होती हैं।

गैस ट्रीटमेंट हेतु पर्याप्त व्यवस्थाएं जैसे स्प्रे ड्रायर, साइक्लोन, रिएजेंट इंजेक्शन सिस्टम, बैग फिल्टर, वेट स्क्रबर, स्थापित है। धुएं का उत्सर्जन 30 मीटर उची चिमनी से होता है। उत्सर्जन में प्रदूषण तत्वों के मापन हेतु ऑनलाईन सतत निगरानी उपकरण स्थापित है। तकनीकी दृष्टि से भस्मक यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट को जलाने हेतु उपयुक्त है।

5. कचरे को जलाने में कौन सी गैस अथवा दूषित जल निकलेगा और उनकी मॉनिटरिंग कैसे की जाएगी?

चिमनी से निकलने वाले धुएं में पर्टीक्यूलेट मेटर (ठोस कण), हाईड्रोजन क्लोराइड, सल्फर डाइआक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, टोटल आर्गेनिक कार्बन, कार्बन डायआक्साइड, हाईड्रोजन फ्लोराइड, नाईट्रोजन के ऑक्साइड्स, डायओक्सीन एवं फ्यूरोन्स तथा भारी धातुएं जैसे केड्मियम, थैलियम, पारा, एंटीमनी, आर्सेनिक, लेड, कोबाल्ट, क्रोमियम, कापर, मैगनीज, निकल, वैनेडियम एवं उनके यौगिक का मापन किया गया। चिमनी से निकलने वाले धुएं से उक्त प्रदूषण तत्वों की मात्रा निर्धारित मानक सीमा में पाई गई थी।

क. अपशिष्ट निष्पादन के दौरान उत्सर्जित होने वाली गैसों की जांच हेतु चिमनी के साथ सतत उत्सर्जन मानिटरिंग सिस्टम स्थापित है, जिसकी कनेक्टीविटी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व म.प्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उपलब्ध है आम जनता के अवलोकन हेतु रामकी परिसर के मुख्य द्वार पर डिस्पले बोर्ड स्थापित है, जहॉ उत्सर्जित होने वाली गैसों की मात्रा का अवलोकन किया जा सकता है।

- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व म.प्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों द्वारा अपशिष्ट भस्मीकरण के दौरान सतत निगरानी व वायु गुणवत्ता मापन किया जाएगा। उच्च न्यायालय द्वारा अधिकृत थर्ड पार्टी एजेंसी द्वारा भी मानिटरिंग कार्य किया जाएगा।
- भस्मक में ऑटोमेटिक कंट्रोल सिस्टम है जहॉ पर गैसों के उत्सर्जन निर्धारित मानक से अधिक होने व तापमान कम होने की स्थिति में भस्मक के स्वतः बंद हो जाने की व्यवस्था है।
- भस्मीकरण के दौरान उत्सर्जित होने वाली गैसों की नियमित रिपोर्ट शासन व माननीय न्यायालय को प्रस्तुत की जावेगी।
- इस प्रकार अपशिष्ट के भस्मकीरण के दौरान किसी प्रकार की हानिकारक गैसों के उत्सर्जन की संभावना नहीं है।
- अपशिष्ट भस्मीकरण के दौरान स्प्रे ड्रायर, साइक्लोन, बैग फिल्टर, स्क्रबर से गैस पास होकर 35 मीटर ऊची चिमनी से उत्सर्जित होती हैं।
- द्वितीयक दहन कक्ष से लगभग 900 डिग्री सेंटीग्रेड तापमान की गैसेस की स्प्रे ड्रायर में पानी से क्वेंचिंग होती है जिससे तापमान तत्काल 200 डिग्री तक आ जाता है, जिससे डायाक्सीन व फ्यूरान गैसिस उत्पन्न होने की संभावना नहीं होती हैं।
- स्प्रे ड्रायर से फ्लू गैसेस साइक्लोन में पहुँचती हैं जहॉ बड़े सॉलिड पार्टिकल्स पृथक हो जाते हैं।

- साईक्लोन के पश्चात् फ्लू गैस को ड्राय स्क्रबर से उपचार किया जाता है।
- तत्पश्चात गैसेस बैग फिल्टर से पास होती हैं जहॉ छोटे/महीन ठोस कण फिल्टर में ट्रैप होकर पृथक हो जाते हैं।
- बैग फिल्टर के पश्चात गैसेस का उपचार वेट स्क्रबर में होता है जहॉ कास्टिक के पानी से स्क्रबिंग होती है जहॉ किसी प्रकार की एसेडिक गैसेस एवं अन्य प्रकार की गैसेस पानी में घुल जाती हैं।
- तत्पश्चात गैसेस/धुऑ जिसमें मुख्यतयः कार्बन डायाक्साइड एवं पानी के वेपर्स रहते हैं चिमनी के माध्यम से उत्सर्जित होते हैं, जिसमें प्रदूषक तत्वों की जांच हेतु ऑनलाईन सतत मानिटरिंग व्यवस्था स्थापित है।
- इस प्रकार चिमनी से होने वाले उत्सर्जन में हानिकारक गैसेस की उपस्थिति की संभावना नगन्य है।
- भस्मीकरण की प्रक्रिया से किसी प्रकार का दूषित जल उत्पन्न नहीं होता है।

फ्लू गैस का उपचार स्क्रबर के करने पर स्क्रबर वॉटर उत्पन्न होता है जिसे पुनः चक्रीकरण किया जाता है। पुनः चक्रीकरण पश्चात कुछ मात्रा में दूषित जल उत्पन्न होता है जिसके जलाने हेतु परिसर में ही भस्मक के पास मल्टी इफेक्ट इवेपोरेटर (एम.ई.ई) स्थापित है। पानी को विभिन्न स्टेज में कंसंट्रेट किया जाता है तथा अंत में एजीटेटिड थिन फिल्म (ए.टी.एफ.डी) ड्रायर मे सुखाया जाता है जिससें पाउडर के रूप में ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है। इस प्रकार किसी प्रकार का दूषित जल नहीं निकलेगा।

6. क्या अवशेष को सुरक्षात्मक रूप से दफनाया जाएगा?

- अपशिष्ट के निस्पादन के दौरान उत्पन्न ठोस अपशिष्ट के निष्पादन की व्यवस्था
- भस्मीकरण की प्रक्रिया से प्राथमिक दहन कक्ष से राख/ठोस अपशिष्ट उत्पन्न होता है जिसे ट्राली में एकत्रित किया जाता है।
- बैग फिल्टर एवं साइक्लोन से पृथक होने वाले ठोस कणों को भी एच.डी.पी.ई बैग्स में एकत्रित कर लिया जाता है।
- ए.टी.एफ.डी ड्रायर से उत्पन्न पाउडर भी एकत्रित कर लिया जाता है।
- उक्त तीनों प्रकार के ठोस अपशिष्टों को प्राथमिक जांच कर व आवश्यकता अनुसार स्टेवलाइजर एजेंट/लाइम आदि मिलाकर सिक्योंर्ड लेंडफिल में डिस्पोजल किया जाता है।
- यूनियन कार्बाइड अपशिष्ट के भस्मीकरण के दौरान उत्पन्न होने वाले उपरोक्त प्रकार के ठोस अपशिष्ट के डिस्पोजल हेतु सिक्योर्ड लेंड फिल के भीतर एच.डी.पी.ई लाइनर इत्यादि डालकर पृथक से सेल बनाकर डिस्पोजल किया जावेगा ताकि उक्त अपशिष्ट सिक्योर्ड लेंड फिल में डाले गए अन्य अपशिष्ट में मिक्स न हो।

इस प्रकार ठोस अपशिष्ट का डिस्पोजल सुरक्षित तरीके के किया जावेगा।

प्राथमिक दहन कक्ष, साईक्लॉन, बैग फिल्टर से निकलने वाले ठोस अपशिष्ट पाउडर आदि का वैज्ञानिक तरीके से डिस्पोजल सिक्योर्ड लैण्डफील में किया जाता है।

सिक्योर्ड लैण्डफील के निर्माण हेतु पहले बढ़ा गड्ढा खोदा गया है। गड्ढे के तल को समतलीकरण कर रोलर द्वारा दबाकर मजबूत किया गया है एवं उसके उपर 45 सेंटीमीटर मोटी मिट्टी की परत डालकर रोलर से दबाकर मजबूत किया गया है।

तत्पश्चात् 02 मिलीमीटर मोटा एचडीपीई लाईनर अथवा प्लास्टिक की मोटी शीट डाली गई है। प्लास्टिक के उपर जियो टैक्सटाईल की परत डालकर उसके उपर परफोरेटेड पाईप यानि छेद्युक्त पाईप का ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया है ताकि किसी प्रकार का लिचेट अथवा द्रव पदार्थ जमीन में न जाये तथा उसमें ड्रेनेज सिस्टम में एकत्रित हो जाये। तत्पश्चात् 30 सेंटीमीटर का मोटा फिल्टर मीडिया (पत्थर, गिट्टी, सेण्ड) आदि की परत डाली गई है। उसके उपर फिर से 45 सेंटीमीटर क्ले मिट्टी की परत डाली गई है। इसके उपर पुनः 02 मिलीमीटर एचडीपीई लाईनर डालकर पाईप और फिल्टर मीडिया डालकर ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया है। इसके पश्चात् अपशिष्ठ का भरण किया जाता है।

इस प्रकार भूतल से लगभग 150 सेंटीमीटर मोटाई की परतें डालकर मजबूत बनाया गया है, ताकि किसी प्रकार का द्रव पदार्थ अथवा पानी भूमि के भीतर न जाये अथवा रिसाव भूमि तक न पहुंचे।

सिक्योर्ड लैण्डफील में अपशिष्ठ का भरण पूर्ण हो जाने के पश्चात् मिट्टी की परत, ग्रेवल मीडिया, क्ले की परत, एचडीपीई लाईनर व जियो टैक्सटाईल लाईनर डालकर कैपिंग कर दी जाती है, ताकि किसी प्रकार से पानी अपशिष्ठ तक न पहुंचे। वर्षा के पानी को रोकने के लिये ड्रेनेज मीडिया डाला जाता है तथा उसके उपर मिट्टी डालकर वेजीटेशन कवर यानि घास इत्यादि लगाई जाती है।

7. आम जन से जानकारी कैसे साझा की जाएगी?

प्लांट परिसर के मुख्य गेट के पास डिस्प्ले बोर्ड स्थापित है, जिसमें अपशिष्ठों की मात्रा एवं दहन प्रक्रिया से उत्सर्जित होने वाली गैसेस की जानकारी प्रदर्शित होगी ।

चिमनी से निकलने वाली फ्लू गैसेस की जांच हेतु ऑनलाईन सतत् उत्सर्जन मॉनिटरिंग सिस्टम स्थापित है, जिसमें 09 प्रकार के प्रदूषकों की जांच ऑनलाईन होगी, इसकी रिपोर्टिंग केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सर्वर पर एवं फैक्ट्री के मुख्य गेट पर लगे ऑनलाईन डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित होगी, जिसे आमजन भी देख सकेंगे। कचरा जलाने की मॉनिटरिंग केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के द्वारा की जावेगी

8. कचरा जलाने से आमजन के स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

वर्ष 2015 में किये गये ट्रॉयल रन के परिणामों के अनुसार चिमनी से होने वाले उत्सर्जन में समस्त प्रदूषक निर्धारित मानकसीमा से काफी कम मात्रा में पाये गये थे। चिमनी से निकलने वाले प्रदूषकों की मात्रा निर्धारित मानकसीमा से काफी कम मात्रा में पाई गई है। अतः स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

कचरे निष्पादन की पूरी प्रक्रिया जीरो डिस्चार्ज पर आधारित है। इसलिए आमजन के स्वास्थ्य पर कोई विपरीत प्रभाव पड़ने का प्रश्न ही नहीं उठता है

महत्वपूर्ण बिंदू-

- यूनियन कार्बाइड के अपशिष्ट का भस्मीकरण एवं डिस्पोजल वैज्ञानिक पद्धति से सुरक्षित तरीके से किया जावेगा।
- जांच रिपोर्टों के अनुसार किसी भी प्रकार की हानिकारक गैसों का उत्सर्जन नहीं पाया गया है बल्कि उत्सर्जन निर्धारित सीमा के भीतर पाए गए हैं।
- किसी प्रकार का दूषित जल या ठोस अपशिष्ट भूमि पर निस्सारित नहीं किया जावेगा।
- अपशिष्ट के डिस्पोजल के दौरान शून्य निस्तारण की स्थिति संधारित रखी जावेगी।
- केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, म.प्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं शासन की अन्य एजेंसियों द्वारा सतत निगरानी रखी जाएगी।
- उपरोक्तानुसार अपशिष्ट का निस्तारण वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है तथा विभिन्न प्रकार की वैज्ञानिक जांच की गई है।
- जिन व्यक्तियों/संस्थाओं द्वारा भ्रामक प्रचार किए जा रहे हैं उनके द्वारा किसी प्रकार के वैज्ञानिक तथ्य नहीं है बल्कि संभावनाओं पर आधारित हैं अतः उनका विश्वास किया जाना उचित नहीं है।
- यूनियन कार्बाइड अपशिष्ट निस्तारण प्रक्रिया से भयभीत होने का कोई कारण नहीं है।

अज्ञात चोरों ने बैतूलगंज क्षेत्र की तीन दुकानों को बनाया निशाना

नगदी सहित सामान पर किया हाथ साफ, चोरी की घटना से व्यापारियों में आक्रोश

बैतूल। अज्ञात चोरों ने शहर के व्यवस्तम क्षेत्र गंज की तीन दुकानों को निशाना बनाते हुए चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरी की यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें तीन से चार चोर दुकानों से सामान ले जाते दिखाई दे रहे हैं। सूचना मिलते ही गंज थाना पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक चोरों ने

गंज स्थित हिरानी एंड संस, भारत कन्फेंसनरी, भारती ट्रेडर्स दुकान के शटर तोडक़र चोरी की घटना को अंजाम दिया है। जब दुकान संचालक सुबह 10 से 11 बजे दुकान पहुंचे, तो उन्हें शटर टूटे मिले। इसकी सूचना तत्काल गंज पुलिस को दी, तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। अज्ञात चोरों ने दुकानों से नगदी सहित सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही एफएसएल की टीम भी डॉग के साथ पहुंच गई थी। पुलिस ने डॉग की सहायता से चोरी की घटना को ट्रेस करने का प्रयास किया, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। मौके से पुलिस ने फिंगर प्रिंट भी लिए हैं। चोरी की घटना की सूचना मिलते ही व्यापारी संघ के अध्यक्ष प्रदीप खंडेलवाल, कांग्रेस के जिलाध्यक्ष हेमंत वागद्रे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरूण गोठी सहित कई लोग मौके पर पहुंच गए थे। सभी ने चोरी की घटना को लेकर आक्रोश जताया। गौरतलब है कि यह दुकानें गंज क्षेत्र के सबसे व्यस्तम मार्ग पर है। इसके बावजूद चोरों ने आसानी से चोरी की घटना को अंजाम दे दिया। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि चोरों के हौसले कितने बुलंद है। पुलिस का कहना है कि घटना की बारीकी से जांच कर चोरी को अंजाम देने वाले चोरों की तलाश की जा रही है।

श्री राजेंद्र सूरी शास.महा.सरदारपुर राजगढ़ में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया

धार। श्री राजेंद्र सूरी शासकीय महाविद्यालय सरदारपुर राजगढ़ में राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद कैरियर प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ डीएस मुजाल्दा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एलएस अलावा ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद जी के विचारों से विद्यार्थियों

को अवगत कराया तथा विद्यार्थी जीवन में प्रेरणा लेने के लिए प्रेरित किया कला संकाय विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता जैन ने विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद जी के जीवन को अपने प्रेरणा स्त्रोत बनाकर अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारण करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. राकेश शिंदे ने वायु का उल्टा करके युवा हो जाते हैं इसलिए युवाओं को अपने लक्ष्य पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता में निमिष भंडारी बीएससी प्रथम वर्ष एवं लक्ष्यदीप चौधरी बी ए प्रथम वर्ष ने अपने विचारों को रखा। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निमिष भंडारी एवं द्वितीय स्थान लक्षद्वीप चौधरी ने प्राप्त किया। निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसमें कुल 7 विद्यार्थियों ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भी निमिष भंडारी द्वितीय स्थान यश परमार बीएससी प्रथम वर्ष तृतीय स्थान पर लक्षद्वीप बी ए प्रथम वर्ष दानिश शाह बीएससी प्रथम वर्ष ,शिवानी राणे बीए प्रथम वर्ष ने प्राप्त किया । कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त स्टाफ डॉ ममता दास प्रो. सुरेंद्र रावत डॉ निधि बाजपेई , बसंती मुजाल्दा ,डॉ मोहित सिंह चौहान स्नेह लता मंडलोई डॉ राधा अंलसे , विजयाराजे दरबार ,महेश उपाध्याय, बिंदु गोखले योगेश सांखला कुमारी खुशी गहलोत आदि उपस्थित थे।

स्वामी विवेकानंद जी की जयंती 'युवा दिवस' पर सामूहिक सूर्य-नमस्कार किया

धार। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती 'युवा दिवस' पर कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी,मनोज सोमानी,विश्वास पांडे सहित अन्य अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं की मौजूदगी में रविवार को किला मैदान में सामूहिक सूर्य

नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का सन्देश आकाशवाणी से प्रसारित किया गया। स्वामी विवेकानंद द्वारा 1893 में शिकागो धर्म सम्मेलन में दिए गए भाषण का हिंदी अनुवाद भी कार्यक्रम में प्रसारित किया गया। सूर्य नमस्कार के प्रारम्भ में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् का रेडियो से प्रसारण किया गया। आकाशवाणी भोपाल से प्रसारित सन्देश के अनुरूप स्कूली बच्चों ने सूर्य नमस्कार के आसन किये । साथ ही प्राणायाम भी किया। छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

बादल छाने से दलहनी फसलों को नुकसान की संभावना, मकर संक्रांति के बाद ठंड बढ़ने के आसार

बदला मौसम : सुबह बूंदाबांदी, दिनभर आसमान में छाए रहे बादल

संजय द्विवेदी, बैतूल। पिछले कुछ दिनों से मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। मौसम प्रतिदिन बदल रहा है। शनिवार को जहां जिले में मौसम साफ रहा, वहीं रविवार को आसमान में बादल छाये रहे। सुबह हल्की बूंदाबांदी भी हुई। जिले के शाहपुर सहित अन्य क्षेत्रों से भी बारिश होने के के समाचार मिले है। मौसम में बदलाव के साथ ही तापमान में भी उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री दर्ज किया गया, वहीं अधिकतम तापमान में गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 25.8 से घटकर 23.2 पर पहुंच गया है। हालांकि दिन बढऩे के साथ-साथ मौसम साफ भी होता रहा। जिल में मौसम का मिजाज ऐसा है कि सुबह मौसम साफ रहता है, तो शाम तक बदल जाता है और अगर शाम को साफ रहता है तो सुबह बदल जाता है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस तरह से मौसम बदलने का कारण पश्चिमी विक्षोभ का एक्टिव होने बताया जा रहा है। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटे के दौरान जिले के कुछ क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ ओलावृष्टि और बारिश होने की संभावना जताई है।

मकर संक्रांति के बाद बढ़ सकती है ठंड- मकर संक्रांति के बाद कड़ाके की ठंड का दौर फिर से शुरु होने की संभावना है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक अभी एक और पश्चिमी विक्षोभ के एक्टिव होने से मौसम में बदलाव आ गया है। 13 जनवरी तक बारिश और ओलावृष्टि के आसार बने हुए है। यदि ओलावृष्टि होती है तो फसलों के लिए नुकसानदायक साबित होगी। किसानों का कहना है कि

ओलावृष्टि होती है तो फसले प्रभावित होगी। जिससे किसानों के माथे पर चिंताओं की लकीरें खींच गई है। मौसम विभाग ने बताया कि 14 जनवरी से मौसम धीरे-धीरे साफ होने लगेगा और कडाके की ठंड का दौर फिर शुरु होगा। बता दे कि इस सीजन में तीसरी बार मौसम में बदलाव आया है।

बूंदाबांदी से वातावरण में बनी रही नमी- मौसम के बदलते रुख ने एक बार फिर लोगों को चिंतित कर दिया है। रविवार को दिनभर छाए बादलों से नमी के कारण सुबह बूंदाबांदी हुई। जिससे कोहरे की धुंध भी छाई रही। बूंदाबांदी के कारण पूरे दिन वातावरण में नमी बनी रही, जिससे हवाएं ठंड का अहसास कराती रही। रविवार को जहां न्यूनतम तापमान 14.5 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान घटकर 23.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को भी ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है। दो दिन बाद पूरी तरह मौसम खुलने की बात मौसम विशेषज्ञों द्वारा कहीं जा रही है। जिसके बाद तापमान में तेजी से गिरावट होगी।

बादल छाने से दलहनी फसलों को नुकसान की संभावना

बादल छाने से दलहनी फसलों को नुकसान होने की संभावनाएं बढ़ गई है। कृषि वैज्ञानिकों का कहना है कि बादलों के कारण चना, तुअर, मसूर, सहित अन्य फसलों को नुकसान हो सकता है। बादलों से चने की फसल पर इल्लियों का प्रकोप बढऩे की अधिक संभावना रहती है। कुछ दिन तक बादल ऐसे ही छाये रहे तो इसका असर फसलों पर देखने को मिलेगा। कृषि विभाग द्वारा किसानों को फसल के बचाव के संबंध में जानकारी दी जा रही है। कुछ फसलों में बादलों से फफूंद लगने का खतरा बना रहता है। कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किसानों से ऐसे मौसम में फसलों को बचाने और कीटनाशक दवाईयों का समय-समय पर छिड़काव करने की सलाह दी जा रही है। पाला पडऩे की स्थिति में भी फसलों को नुकसान हो सकता है।

भगवान श्री सांवरिया सेठ को छप्पन भोग अर्पित

धार। त्रिमूर्ति नगर स्थित श्री सांवरिया सेठ मंदिर पर चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के पंचम दिवस व्यास पीठ पर विराजित पंडित कुलदीप शर्मा ने आज पंचम दिवस श्रीमद भागवत में गोवर्धन पूजा का महत्व विस्तार से दर्शित किया उन्होंने बताया कि गोवर्धन पूजा का हिंदू धर्म में क्या महत्व है। श्रीमद् भागवत पुराण में वर्णित गोवर्धन पूजा का प्रसंग बताते हुए कथा श्रवण करने वाले श्रद्धालुओं को बताया कि गोकुल में भगवान श्रीकृष्ण के निवास के समय, इंद्र ने अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए वर्षा और वज्रपात से गोकुल को परेशान करना शुरू किया।

भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को अपनी छोटी उंगली पर उठाकर गोकुल के निवासियों की रक्षा की। इस प्रकार, भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र की शक्ति को कम कर दिया और गोकुल को सुरक्षित बनाया। इस घटना के बाद, भगवान श्रीकृष्ण को ÷गोवर्धनधारी÷ के नाम से जाना जाने लगा। श्री गोवर्धन पूजा दीपावली के ठीक दूसरे दिन की जाती है जिसमें श्री गोवर्धन जी को एवं भगवान श्री कृष्ण का पूजन किया जाता है।

आज की कथा में गोवर्धन पूजा प्रसंग के मध्य व्यास पीठ पर विराजित पंडित कुलदीप शर्मा ने अपने मधुर वचनों से श्रोताओं को बांधे रखा और कथा के दौरान बीच-बीच में भजन सुनकर श्रद्धालु के पांव थिरकने लगे । श्री सांवरिया सेठ के मंदिर में श्रद्धालु खुशी से नाचते झूमते नजर आए तथा माता बहनों ने श्री गोवर्धन भगवान की पूजा की इस अवसर पर भक्तों के साथ सांवरिया मंदिर अध्यक्ष स्वयं प्रकाश सोनी, जगदीश जोशी, प्रताप रघुवंशी, ओम सोलंकी अश्विन जोशी आदि उपस्थित थे।

उक्त जानकारी 18 महापुराण समिति प्रमुख अशोक मनोहर जोशी के द्वारा देते हुवे उन्होंने कहा कि कल की कथा में रुक्मणी हरण का प्रसंग होगा तथा 14 जनवरी मकर संक्रांति को सुदामा चरित्र के साथ कथा का समापन होगा। आज गोवर्धन पूजा में भगवान श्री सांवरिया सेठ को छप्पन भोग अर्पित किए गए।

लाड़ली बहनों के लिए शासन के द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि अंतरित

धार। लाड़ली बहनों के लिए शासन के द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि की 20बी क़िस्त का कार्यक्रम कालापीपल जिला शाजापुर से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण धार जिले में लालबाग स्थित विक्रम मंदिर में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के पूर्व लाडली बहना शौर्य दल की सदस्य स्वम सहायता समूह की सदस्य,

किशोरी बालिका, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं आदि के द्वारा स्थानीय खेल खेले गए जिसमें गिल्ली डंडा रस्सी खींच रस्सी जंपिंग,कुर्सी दौड़ पतंग आदि खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रत्येक गतिविधि में प्रथम तीन विजेताओं के लिए कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों के माध्यम से प्रमाण पत्र प्रदाय किये गये। खेल गतिविधियों के आयोजन पश्चात मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज सोमानी के द्वारा उपस्थित महिलाओं के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार के द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। उपस्थित महिलाओं से आग्रह किया गया कि यदि किसी योजना से वंचित पात्र महिला आपके संज्ञान में आती है तो कृपया योजना का लाभ दिलाने हेतु उसका सहयोग करें।

दुराचार के मामले का था आरोपी, 18 दिसंबर को लाया था जेल

बैतूल जिला जेल में बंद युवक ने लगाई फांसी

बैतूल। बैतूल जिला जेल में बंद एक युवक ने फांसी लगा ली। युवक दुराचार और पॉक्सो एक्ट के आरोप में बंद विचाराधीन बंदी था, जिसने जेल के बाथरूम में शनिवार रात 12.30 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। बैतूल एसडीओपी शालिनी परस्ते ने बताया कि विचाराधीन बंदी गोलू उर्फ संदीप पिता कामिलाल सेमरे (28) निवासी खडगड़ थाना आठनेर बैरक नंबर 2 में बंद था। रात में उसने बाथरूम में धोती के कपड़े से फांसी लगा ली। मृतक पर धारा 366, 376 एवं पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज था। संदीप डेढ़ साल से फरार था, उसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर 18 दिसंबर को न्यायालय में पेश किया था, जहां से उसे जेल भेज दिया था। जेल प्रशासन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। घटना की जानकारी परिजनों को भेज दी है। बताया जा रहा है कि मृतक का परिवार महाराष्ट्र के चांदूर बाजार में रहता है, मृतक मजदूरी करता था। उस पर नाबालिग से दुराचार करने का आरोप लगा था। पुलिस घटना की जांच कर रही है। फिलहाल अभी कोई कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

जिला जेलर योगेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि बैरक नंबर दो में ड्यूटी पर तैनात पहरी ने, जब बंदियों की गिनती की तो एक बंदी कम था। उसने जेल प्रशासन को इसकी जानकारी दी। उसके बाद जेल प्रहरी दिनेश खातरकर ने बैरक के बाथरूम में जाकर देखा, तो संदीप का शव फांसी पर लटका मिला। मृतक ने बैरक में उसके साथ के एक अन्य बंदी की धोती के कपड़े से फांसी लगाई है। फोरेंसिक एक्सपर्ट आबिद खान ने बताया कि मृतक ने बैरक नंबर-2 के बाथरूम में धोती जैसे कपड़े से फांसी लगाई है। बाथरूम की दीवारों से ऊपर चढक़र उसने अंदर लगी बल्ली पर कपड़ा बांधा और फांसी लगा ली। वंहा मौके पर दीवार पर चढऩे के फुट प्रिंट भी मिले हैं। खबर लिखे जाने तक मृतक के पोस्टमार्टम कार्यवाही एवं जांच की जा रही है।

सूर्य नमस्कार से हमारा शरीर, मस्तिष्क और विचार होते हैं मजबूत और पुष्ट : केंद्रीय मंत्री श्री उईके

जिला स्तरीय कायक्रम में डेढ़ हजार से अधिक बच्चों ने की सहभागिता

बैतूल। स्वामी विवेकानंद जी की जन्म जयंती पर 12 जनवरी युवा दिवस को जिले के समस्त शिक्षण संस्थानों में सूर्य नमस्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूली छात्रों और नागरिकों ने बढ़ चढक़र हिस्सा लिया। केंद्रीय मंत्री जनजातीय कार्य श्री दुर्गादास उईके के मुख्य आतिथ्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंज बैतूल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में विधायक बैतूल हेमंत खंडेलवाल, अपर कलेक्टर राजीव नंदन श्रीवास्तव, एसडीएम राजीव कहार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रविकांत उईके, जिला शिक्षा अधिकारी अनिल कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र उपस्थित रहें।

कार्यक्रम में प्रदेश स्तर से प्रसारित स्वामी विवेकानंद जी और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संदेश का श्रवण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। योगाचार्य के मार्गदर्शन और प्रसारित संदेशों से उपस्थित अतिथियों और स्कूली बच्चों ने सूर्य नमस्कार और प्राणायाम के तीन-तीन चक्र का अभ्यास किया। केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद

जी की जयंती पर आज प्रदेश भर में सूर्य नमस्कार के माध्यम से हमारी सनातन परंपराओं और ऋषि मुनियों द्वारा प्रदत्त अनुदान वरदान को पुनर्जीवित और पुन स्मरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान कालखंड विशिष्ट है। इस प्रजनन काल में जो भी हम सोचते हैं और करते हैं वह निश्चित ही फलीभूत होता है। सूर्य नमस्कार हमारी आत्मा और चेतना का ध्रुव केंद्र है। भगवान सूर्य नारायण के प्रभाव से ही हमारी काया में ओजस्विता, हमारे विचारों में मनास्विता और विचारो में वर्चस्विता यह तीन प्रकार की उपलब्धियां हमे प्राप्त होती हैं। हमारे समस्त कार्य और गतिविधियां भगवान सूर्य की कृपा से ही संपादित होती है।

ऐसा व्यक्ति जिसका शरीर,मन और भावनाएं पूरी तरह स्थूल, पावन,निर्मल और करुणमय हो उसे ही स्वस्थ व्यक्ति माना जाता है। ऐसे व्यक्ति का निर्माण ही आज के आयोजन का मुख्य उद्देश्य हैं। सूर्य नमस्कार से हमारा भौतिक शरीर, मन मस्तिष्क और विचार मजबूत और पुष्ट होते हैं। जिन व्यक्तियों में ये तीन गुण विद्यमान रहें , उन्होंने इतिहास बदला हैं। महान लीडर, चिंतक और दार्शनिक हुए हैं। सूर्य नमस्कार के माध्यम से हमारे सूक्ष्म केंद्र जागृत होते हैं।

युवा अपने शारीरिक बल, मनोबल, आत्मबल, ब्रम्हबल को मजबूत करें : केंद्रीय मंत्री श्री उईके

स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस पर जिले में 'युवा शक्ति मिशन' का हुआ शुभारंभ

बैतूल। स्वामी विवेकानंदजी का जन्मदिन को 'युवा दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जेएच कॉलेज के ऑडिटोरियम में रविवार को 'युवा शक्ति मिशन' का शुभारंभ किया गया। जिला प्रशासन द्वारा

आयोजित जिलास्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री जनजातीय कार्य विभाग दुर्गादास उइके उपस्थित थे। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री उईके ने युवाओं को अपना शारीरिक बल, मनोबल, आत्मबल और ब्रम्ह बल को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान नेहरू युवा केंद्र बैतूल द्वारा केंद्रीय मंत्री श्री उईके को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

स्वामी विवेकानंद जी के दर्शन को अपनाकर युवा अपना जीवन आलोकित करें- इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री डीडी उइके ने कहा कि आज का दिन युवाओं का चिंतन और मंथन का दिन है। स्वामी विवेकानंद जी के दर्शन को अपनाने की युवा प्रतिज्ञा ले और राष्ट्र निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि युवा अपने शारीरिक बल, मनोबल, आत्मबल और ब्रम्ह बल को मजबूत करने के लिए सुबह जल्दी उठकर नियमित योग और ध्यान करें। केन्द्रीय मंत्री श्री उइके ने कहा कि प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में राष्ट्र लगातार विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करते हुए आज दुनिया की सबसे बडी पांचवी अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने खेलों इंडिया, इंडिया और युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अनेकों योजनाएं प्रारंभ की, ताकि युवाओं का शारीरिक फिटनेस से लेकर उनका मनोबल, आत्मबल, तेजस्व सिर्फ देश में ही नहीं अपितु वैश्विक पटल पर भारत का युवा अलग दिखाई दें।

योग हमारी आंतरिक शक्तियों को जागृत करने का माध्यम है: केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके

बैतूल। योग हमारी आंतरिक शक्तियों को जागृत करने का माध्यम है। हमारे स्थूल शरीर के सूक्ष्म अवयव को यौगिक क्रियाओं द्वारा शक्तिशाली बनाया जा सकता है। ये विचार केन्द्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके ने अशासकीय विद्यालय वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित सामूहिक सूर्यनमस्कार कार्यक्रम में पुलिस ग्राउंड बैतूल में बतौर अतिथि व्यक्त किये। इनके पूर्व बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि तन मन स्वस्थ हो तो जीवन सुखी हो सकता है। नियमित योग से बच्चो की प्रतिभा विकसित हो सकती है। इस अवसर पर अशासकीय विद्यालय वेलफेयर सोसायटी समिति बैतूल के सचिव रमेश धोटे ने समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। विवेकानंद जयंती के अवसर पर आयोजित इस अभूतपूर्व कार्यक्रम में बैतूल शहर और आसपास के 30 अशासकीय विद्यालयों के 2200 विद्यार्थियों द्वारा सूर्य नमस्कार किया गया। स्कूलों के संचालकों के साथ शिक्षक-शिक्षकों और बच्चों को प्रमाणपत्र वितरित किये गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में अशासकीय विद्यालय वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष संजीवनी स्कूल संचालक गजेंद्र पवार, सचिव रमेश धोटे, पूर्व अध्यक्ष प्रकाश धोटे, संरक्षक अनिल राठौर, अजय पवार, योगेश्वरराव गायकवाड़, रघुनाथ लोखंडे, महेश पवार, रामराज पाल आदि ने अभूतपूर्व योगदान दिया। मंच संचालन शिक्षक प्रकोष्ठ भाजपा के जिला संयोजक अजय पवार ने किया व आभार श्री अग्रसेन ग्रुप ऑफ स्कूल के अनिल राठौर ने व्यक्त किया।

स्वामी विवेकानंद ने भारतीय संस्कृति का परचम विश्वपटल पर लहराया : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल यूथ रेड क्रॉस शाखा के कार्यक्रम में हुए शामिल, द यूथ सस्टेनेबल एन्टरप्रेन्योरशिप समिट 2024 आयोजित

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने भारतीय संस्कृति का परचम विश्व पटल पर लहराया है उन्होंने शिकागो धर्म सम्मेलन के तेजस्वी उद्बोधन से भारत और भारतीय संस्कृति को गौरवान्वित किया है।

राज्यपाल श्री पटेल भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की यूथ रेडक्रॉस शाखा के सौजन्य से द यूथ सस्टेनेबल इन्टरप्रेन्योरशिप समिट 2024 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यूथ रेडक्रॉस शाखा के सहयोग से युवा उद्यियों के स्ंटाटअप और नवाचारों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। चयनित सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रतियोगिता के निर्णायकों का भी सम्मान किया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि युवा स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन को जरूर पढ़ें। उनके आदर्शों और संदेशों से प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि युवाओं में ऊर्जा का असीम भण्डार होता है। उनमें राष्ट्रनिर्माण की अद्भुत क्षमता होती है। राज्यपाल श्री पटेल ने उपस्थित युवाओं को स्वामी जी की जयंती की शुभकामनाएं दीं और उनके व्यक्त्वि की महानता से जुड़े प्रसंगों से प्रेरणा दी।

यंग लीडर्स संवाद से प्रेरणा लें युवा- राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं जिन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के रूप में विजनरी नेतृत्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने यंग लीडर्स संवाद कार्यक्रम का दिल्ली में आयोजन कर देश के युवाओं को विकसित भारत निर्माण के सुझावों और प्रयासों में सहभागिता का मंच दिया है। आप सभी युवा यंग लीडर्स संवाद कार्यक्रम से प्रेरणा जरूर लें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि द यूथ सस्टेनेबल एंटरप्रेन्योरशिप समिट युवाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में योगदान के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे समिट के अनुभवों को ग्रहण कर भविष्य की रूपरेखा के संबंध में विचार करें।

डिजिटल चुनौतियों के प्रति जागरूक रहे- राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार, हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। युवाओं का सशक्तिकरण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने सभी युवाओं से कहा कि बदलते समय में डिजिटल चुनौतियां बड़ी समस्या है। युवा इन खतरों के प्रति सजग रहे और सतर्क रहे। गरीब, वंचित और जरूरतमंदों को ऐसे खतरों के प्रति जागरुक करें। उनकी समस्याओं और मदद के लिए हमेशा संवेदनशील बने रहें।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का कार्यक्रम में रेडक्रॉस स्कार्फ और कैप से स्वागत किया गया। स्मृति चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया गया। रेडक्रॉस के चेयरमेन डॉ. गगन कोल्हे ने स्वागत उद्बोधन दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ. चन्द्रचारू त्रिपाठी ने 2047 के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे। आभार रेडक्रॉस के श्री शशांक श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में श्री स्वपनिल पराखे, रेडक्रॉस के जनरल सेक्रेट्री श्री रामेन्द्र सिंह, प्रबंध समिति के सदस्य, पदाधिकारीगण और युथ रेडक्रॉस शाखा के सदस्य शामिल रहे।

गुलाब के जीवनकाल में निहित है जीवन दर्शन : राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल

राज्यपाल 44वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी के समापन समारोह में हुए शामिल

भोपाल(नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि हमारी संस्कृति प्रकृति प्रेम पर आधारित है। जिसमें दैनिक दिनचर्या से लेकर जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों में फूलों का विशिष्ट महत्व है। गुलाब का हमारी संस्कृति में विशिष्ट स्थान है। गुलाब के संपूर्ण जीवनकाल में जीवन दर्शन भी समाहित है। राज्यपाल श्री पटेल 44वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी के

समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर आयोजित गुलाब प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। राज्यपाल श्री पटेल ने समापन समारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया। उन्होंने वर्ष 2028 में वर्ल्ड रोज कन्वेंशन की मध्यप्रदेश रोज सोसायटी को मेजबानी और भोपाल में आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई एवं साधुवाद दिया। राज्यपाल श्री पटेल ने अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी पर आधारित पुस्तिका का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि प्रकृति का सुखद और सरस वातावरण, कोमल भावनाओं को मज़बूत करता है। दिलों-दिमाग को तरोताजा कर शीतलता और आनंद प्रदान करता है। जिस तरह हमारा देश भौगोलिक, भाषाई, खान-पान, वस्त्र, वेश-भूषा, रहन-सहन की विभिन्नताओं के साथ सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है।

विवेकानंद जी की जयंती पर सामूहिक सूर्य नमस्कार युवा दिवस के रुप में मनाया

भोपाल। 12 जनवरी को विवेकानंद जी की जयती के अवसर पर सामूहिक सूर्य नमस्कार युवा दिवस के रुप में मनाया गया। प्रातः 9.00 बजे से 10.30 बजे तक सामूहिक सूर्य नमस्कार किया गया जिसमें महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापकगण, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वान समस्त कार्यालीयीन कर्मचारी गण एवं 400 से अधिक छात्राओं द्वारा सामूहिक रुप से सूर्य नमस्कार, प्रणायाम एवं ध्यान किया गया। सर्वप्रथम विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण

पूर्व प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र कौर बत्रा एवं प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अशोक नेमा एवं डॉ. मनीषा शर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक एवं जनभागीदारी अध्यक्ष डॉ. भारती कुम्भारें जी उपस्थित रही। विवेकानंद केन्द्र के अमृत परिवार के प्रमुख एवं जन अभियान परिषद के समन्वयक श्री अमिताभ श्रीवास्तव जी द्वारा विवेकानंद जी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. नीना श्रीवास्तव द्वारा राष्ट्र गीत के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव ने विवेकानंद जी के जीवन पर उठो जागो तब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये शब्दों से छात्राओं को कार्य के प्रति सजग एवं कर्मठ लक्ष्य को धारण करने एवं स्वख्ा रहने हेतु उद्बोधित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। तत्पश्चात स्वामी विवेकानंद जी के शिकागों व्याख्यान का वीडियों प्रदर्शन किया गया। सामूहिक सूर्य नमस्कार के पश्चात राष्ट्र गान एवं म.प्र. गान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि केला क्रीड़ाधिकारी द्वारा किया गया

सेवा भारती ने लगाए 12 स्वास्थ्य शिविर

भोपाल। स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में भोपाल में सेवा भारती, विद्युत भाग एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ विभाग, भोपाल द्वारा 12 विभिन्न स्थानों में सेवा बस्ती में प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक स्वास्थ शिविर का आयोजन हुआ। इन शिविरों में 24 चिकित्सकों एवं उनके 38 सहयोगी साथियों द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की गई। इन शिविरों में लगभग 1668 लाभार्थियों ने अपना स्वास्थ परीक्षण कराया एवं निःशुल्क प्राप्त की।उनकी आभा आई. डी./ आयुष्मान आई. डी. भी बनाई गई। सेवा बस्तियों में निवासरत जनों के स्वास्थ लाभ हेतु अन्य परामर्शीय कार्य भी किए गए ।

तमिलनाडु के राज्यपाल ने भोपाल तमिल संघम की सराहना की

भोपाल। भोपाल तमिल संघम, एक प्रमुख सांस्कृतिक संगठन जो मध्यप्रदेश के भोपाल में तमिल धरोहर और परंपराओं को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है, को तमिलनाडु के माननीय राज्यपाल आर.एन. रवि से मिलने का विशेष अवसर मिला। यह बैठक तमिलनाडु और भोपाल में रहनेवाले तमिल समुदाय के बीच संबंधों को और भी मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक में संघम के प्रतिनिधियों ने तमिल संस्कृति के संरक्षण और भविष्य में तमिलनाडु के साथ सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। राज्यपाल से मुलाकात के दौरान संघम के प्रतिनिधियों ने राज्यपाल को उनके सांस्कृतिक और सामाजिक परियोजनाओं का एक व्यापक विवरण प्रस्तुत किया।

राज्यपाल आर.एन. रवि ने तमिलनाडु से बाहर तमिल संस्कृति के संरक्षण में भोपाल तमिल संघम के समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा, भोपाल तमिल संघम के प्रयास सराहनीय हैं। आप न केवल हमारी संस्कृति का संरक्षण कर रहे हैं, बल्कि भारत और विदेशों में तमिल समुदाय की एकता में भी योगदान दे रहे हैं। यह एक मूल्यवान प्रयास है जिसे समर्थन मिलना चाहिए।

भोपाल तमिल संघम के प्रतिनिधियों ने, जिनका नेतृत्व संघम के महासचिव ए. स्वामी दुराई कर रहे थे, ने स्पष्ट किया कि संघम हमेशा से समुदाय सेवा के अग्रणी मोर्चे पर रहा है। हमारा उद्देश्य तमिल संस्कृति को बढ़ावा देना है, लेकिन हम यह भी सुनिश्चित करते हैं कि हम भोपाल में हमारे समुदाय के कल्याण में भी योगदान दे रहे हैं।

दुराई ने आगे कहा, ऐसी बैठक न केवल सम्मान की बात है, बल्कि यह उन मजबूत सांस्कृतिक संबंधों का प्रतिबिंब है जो हमें विभिन्न क्षेत्रों में जोड़ते हैं। हम तमिल धरोहर के संरक्षण और भोपाल और तमिलनाडु के बीच मजबूत संबंध बनाने के लिए अपनी कोशिशों को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

समय पर जाँच से रोग का सहजता से होता है निदान: उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

युवा दिवस पर आयोजित नि:शुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि समय पर जाँच हो जाए तो रोग का इलाज आसान हो जाता है। निरोगी काया ही सबसे बड़ा सुख है। विगत दिनों कैंसर सहित अन्य असाध्य बीमारियों की जाँच के लिए रीवा में शिविर लगाए गए थे, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए और लोगों को इलाज मिला। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में एलोपैथी, आयुर्वेद व होम्योपैथी की विधाओं से उपचार देकर लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा के कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम में राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित होम्योपैथी चिकित्सा शिविर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों व विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने होम्योपैथी चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले चिकित्सकों व विद्यार्थियों को बधाई दी। शिविर में देश के विभिन्न राज्यों के 100 से अधिक होम्योपैथी चिकित्सकों ने परीक्षण एवं इलाज किया।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर मंत्री श्री सारंग ने किया नमन

स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लें युवा : मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग

भोपाल (नप्र)। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने रविवार को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये। नरेला विधानसभा क्षेत्र के स्वामी विवेकानंद विचार वीथिका पार्क और वार्ड 58, गौतम नगर खेल मैदान में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर मंत्री श्री सारंग ने उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर उन्होंने युवाओं राष्ट्रीय युवा दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए युवाओं से स्वामी विवेकानंद के प्रेरणादायक विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया। मंत्री श्री सारंग ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपने विचारों और कार्यों से न केवल भारत को नई दिशा दी, बल्कि पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति और युवा शक्ति का गौरव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद के विचार सदैव प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि आत्मविश्वास, धैर्य और कड़ी मेहनत से हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री श्री सारंग ने युवाओं को शिक्षा, खेल और समाज सेवा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में युवा, समाजसेवी, एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने स्वामी विवेकानंद के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की और उनके विचारों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

शहडोल आरआईसी से औद्योगिक विकास को मिलेंगे नये आयाम : मुख्यमंत्री

औद्योगिक और प्राकृतिक समृद्धि के केन्द्र शहडोल में आरआईसी से निवेशकों को मिलेंगे नये अवसर

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश का शहडोल जिला अपनी खनिज संपदा, ऊर्जा क्षमताओं, धार्मिक महत्व, प्राकृतिक सौंदर्य और पुरातात्विक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध है। यहां आगामी 16 जनवरी 2025 को होने वाला रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव न केवल निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देगा, बल्कि इस क्षेत्र की समग्र प्रगति के लिए एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। साथ ही शहडोल के विकास को नई दिशा मिलेगी।

खनिज और ऊर्जा- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल, अपने प्रचुर खनिज संसाधनों के लिए देश भर में जाना जाता है। यहां स्थित सोहागपुर कोलफील्ड, भारत के सबसे पुराने और समृद्ध कोयला खदान क्षेत्रों में से एक है। यह क्षेत्र ऊर्जा आधारित उद्योगों के विकास के लिए आदर्श है। ऊर्जा हब सिंगरौली और फूलपुर गैस पाइपलाइन का विस्तार, शहडोल को ऊर्जा आधारित उद्योगों के केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है।

अमलाई औद्योगिक क्षेत्र भी इस क्षेत्र का एक प्रमुख केंद्र है, जो कागज उद्योग और खनिज प्रसंस्करण के लिए प्रसिद्ध है। यहां स्थित उद्योग न केवल रोजगार प्रदान कर रहे हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दे रहे हैं। अमलाई के अलावा, पास के अनूपपुर और उमरिया में भी औद्योगिक निवेश की अपार संभावनाएं हैं। शहडोल को ऊर्जा क्षेत्र में और अधिक सशक्त बनाने के लिए सरकार ने कई परियोजनाओं की शुरुआत की है। विशेष रूप से गैस आधारित उद्योगों और हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए निवेशकों को आकर्षित करने की योजना बनाई जा रही है।

आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक समृद्धि- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल के आसपास स्थित धार्मिक स्थल इसे अध्यात्म और पर्यटन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनाते हैं। अमरकंटक, जो नर्मदा, सोन और जोहिला नदियों का उद्गम स्थल है, अपने आध्यात्मिक महत्व के कारण श्रद्धालुओं का प्रमुख आकर्षण है। इसके अलावा, यहां स्थित प्राचीन मंदिर और आश्रम भी धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देते हैं। धार्मिक स्थलों के साथ यहां का शांत और आध्यात्मिक वातावरण निवेशकों को पर्यटन क्षेत्र में निवेश के लिए प्रेरित करता है। राज्य सरकार इन स्थलों को और अधिक विकसित करने की दिशा में काम कर रही है, जिससे पर्यटन और स्थानीय उद्योग, दोनों को बढ़ावा मिलेगा।

इको-टूरिज्म और जैव विविधता का केंद्र

शहडोल के पास स्थित बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, जो विश्व प्रसिद्ध है, अपनी बाघों की बड़ी संख्या और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यह क्षेत्र न केवल इको-टूरिज्म को बढ़ावा देता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और रोजगार सृजन के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शहडोल के जंगल, पहाड़ियां और नदियां इसे एक आदर्श इको-टूरिज्म स्थल बनाती हैं। इन पर्यटन स्थलों को संरक्षित और विकसित करने के लिए सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं।

इतिहास और संस्कृति का संगम

शहडोल की ऐतिहासिक और पुरातात्विक धरोहरें इसे और भी खास बनाती हैं। जिले के आसपास के क्षेत्रों में पाए गए प्राचीन अवशेष और मंदिर, यहां की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करते हैं। महिष्मति और कर्णगढ़ जैसे स्थल पुरातात्विक महत्व के केंद्र हैं। इन धरोहरों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने और संरक्षित करने के लिए राज्य सरकार ने विशेष योजनाएं बनाई हैं।

महाकुंभ मेला, प्रयागराज में दिखेगी मध्यप्रदेश की संस्कृति की झलक

मंदिर और ऐतिहासिक धरोहर की जानकारी के साथ प्रतिदिन होगी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

भोपाल(नप्र)। संस्कृति विभाग की ओर से प्रयागराज में 13 जनवरी, 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक आयोजित महाकुंभ मेला में विभाग द्वारा मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर, मंदिरों, साहित्य के साथ फिल्मों एवं नृत्य, गायन, वादन और अन्य को प्रदर्शित किया जा रहा है। संचालक, संस्कृति श्री एनपी नामदेव ने बताया कि कुंभ मेला परिसर के सेक्टर-7 में संस्कृति विभाग की ओर से 'मध्यप्रदेश मण्डप' तैयार किया जा रहा है, जिसमें प्रदेश के कलाकारों को प्रतिदिन अपनी भक्ति-ऊवना दिखाने का अवसर दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश मण्डप में श्रोता-दर्शकों की बैठक व्यवस्था की गई है। यहाँ आध्यात्मिक विषयों की प्रदर्शनी और संस्कृति विभाग द्वारा तैयार की गई फिल्मों का प्रदर्शन किया जायेगा।

मण्डप में दिखेंगी मध्यप्रदेश के मंदिर और ऐतिहासिक धरोहरें- तीर्थयात्री मध्यप्रदेश मण्डप में मध्यप्रदेश के मंदिर और ऐतिहासिक धरोहर को देख सकेंगे। मंडप में महाकालेश्वर, ओमकारेश्वर, खजुराहो, हरसिद्धि मंदिर, भीमबेटका, सांची, मैहर, महाकालेश्वर, अमरकंटक, मां पीतांबरा पीठ, चित्रकूट, नलखेड़ा की जानकारी और चित्रों को प्रदर्शित किया जा रहा है। साथ ही देवी अहिल्या बाई की 300वीं जन्म शताब्दी पर अहिल्याघाट को प्रदर्शित करता मंच भी तैयार किया गया है।

मंडप में प्रतिदिन होगी प्रस्तुतियाँ- संस्कृति विभाग द्वारा प्रतिदिन 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी, 2025 तक मां नर्मदा एवं गंगा आरती, गायन, वादन, नृत्य की प्रस्तुतियों का संयोजन दोपहर 12 बजे से रात्रि 10 बजे तक प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी जायेगी। मंडप में विभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का प्रदर्शन एवं सह-विक्रय किया जायेगा।

'कुंभ कलेण्डर' का प्रकाशन- ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल द्वारा पूर्व में सिहंस्थ उज्जैन के महाकुंभ में कुम्भ कलेण्डर का प्रकाशन किया गया था। प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में 'कुंभ कलेण्डर' का प्रकाशन भी संस्कृति विभाग द्वारा किया जा रहा है। इस कलेण्डर में कुंभ की एक माह की विस्तृत जानकारी के साथ महाकुंभ से संबंधित जानकारी, अमृत स्नान, पब्लिक सहायता नम्बर आदि के साथ पूरे कुंभ के दौरान आने वाले वृत त्यौहारों की जानकारी के साथ गृह नक्षत्र आदि की तिथिवार जानकारी समाहित होगी।

चित्र प्रदर्शनियाँ- संस्कृति विभाग एवं महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ, उज्जैन की ओर से श्रीराम के 36 गुणों आधारित, 84 महादेव आधारित, देवी 108 स्वरूपों आधारित, गौ और गोपाल आधारित, भगवान श्रीकृष्ण द्वारा सीखी गईं 64 कलाओं और 14 विद्याओं आधारित प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय में 'युवा दिवस' पर विविध कार्यक्रम

भोपाल (नप्र)। अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय मे स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस पर 'युवा दिवस' के तहत विभिन्न प्रेरणादायक कार्यक्रम हुए। कार्यक्रम की शुरुआत योग विभाग द्वारा सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम सत्र से हुई। चित्रकला विभाग ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर आधारित एक विशेष चित्र प्रदर्शनी प्रस्तुत की। छात्र-छात्राओं के लिए 'युवाओं के लिए शाश्वत प्रेरणा' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का हुई, जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वामी विवेकानंद जी के ऐतिहासिक शिकागो व्याख्यान का वीडियो प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित जनों को गहराई से प्रभावित किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु, प्रो. खेमसिंह डहेरिया ने स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को समाज के सभी वर्गों के लिए प्रासंगिक है। उनके संदेशों की वर्तमान समय में आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। कुलसचिव श्री शैलेन्द्र कुमार जैन ने स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को आत्मसात करने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रयागराज महाकुम्भ में 'एकात्म धाम' शिविर का हुआ शुभारंभ

वेदांत किसी और को नहीं स्वयं को जानने की यात्रा : आनंदमूर्ति गुरू माँ

भोपाल (नप्र)। प्रयागराज महाकुम्भ में आचार्य शंकर सांस्कृतिक एकता न्यास, संस्कृति विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा अद्वैत वेदान्त दर्शन के लोकव्यापीकरण एवं सार्वभौमिक एकात्मता की संकल्पना के उद्देश्य से 12 जनवरी से 12 फरवरी तक चलने वाले एकात्म धाम शिविर का शुभारंभ रविवार को ऋषि चैतन्य आश्रम की प्रमुख आनंदमूर्ति गुरू माँ ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया, उन्होंने पहले दिन आचार्य शंकर विरचित 'दृग-दृश्य विवेक' पर प्रवचन दिए, इस अवसर पर साधु संतो सहित देश-विदेश से बड़ी संख्या

में श्रोता उपस्थित रहे। उन्होंने 'दृगदृश्यविवेक' पर वक्तव्य देते हुए कहा कि वेदांत किसी और को नहीं स्वयं को जानने की यात्रा है, इसी देह में रहते हुए आत्मबोध हो जाना सबसे अद्भुत चमत्कार है। दृष्टा और दृश्य के सम्बन्ध में उन्होंने कहा कि मन इन्द्रियों के माध्यम से जानता है, और जो मन के जानने को जान रहा है वही सच्चिदानंद स्वरूप दृष्टा है। चेतन का स्वरुप ही ज्ञान है। स्वयं को मन, बुद्धि मानना अज्ञान है, अज्ञान बोध के कारण ही मनुष्य भ्रम में जीता है, जबकि वह सच्चिदानंद स्वरुप है।

आचार्य शंकर के कारण आज महाकुम्भ का यह स्वरुप- उन्होंने कहा कि आचार्य शंकर ने सभी को एकता के सूत्र में जोड़ा, आज महाकुम्भ का यह स्वरूप आचार्य शंकर की देशना का ही परिणाम है। मप्र शासन के एकात्म धाम प्रकल्प की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल अद्भुत और अभूतपूर्व है।

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नवजीवन
की ओर
मोक्षदायिनी
क्षिप्रा

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹614 करोड़ लागत की
सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का
भूमिपूजन

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा

अध्यक्षता
सी.आर. पाटिल
केन्द्रीय मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार

13 जनवरी, 2025 । अपराह्न 12:30 बजे

जल संरक्षण एवं पर्यावरण के लिए अनूठी पहल

- वर्षा ऋतु में क्षिप्रा नदी के जल को सिलारखेड़ी जलाशय में एकत्र कर पुनः आवश्यकता अनुसार क्षिप्रा नदी में किया जाएगा प्रवाहित
- सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं को मिलेगा क्षिप्रा नदी में स्वच्छ एवं निरन्तर जल प्रवाह
- सिलारखेड़ी जलाशय की ऊंचाई बढ़ने से जल संग्रहण क्षमता बढ़ेगी
- परियोजना से उज्जैन शहर की आबादी को मिलेगी पेयजल सुविधा

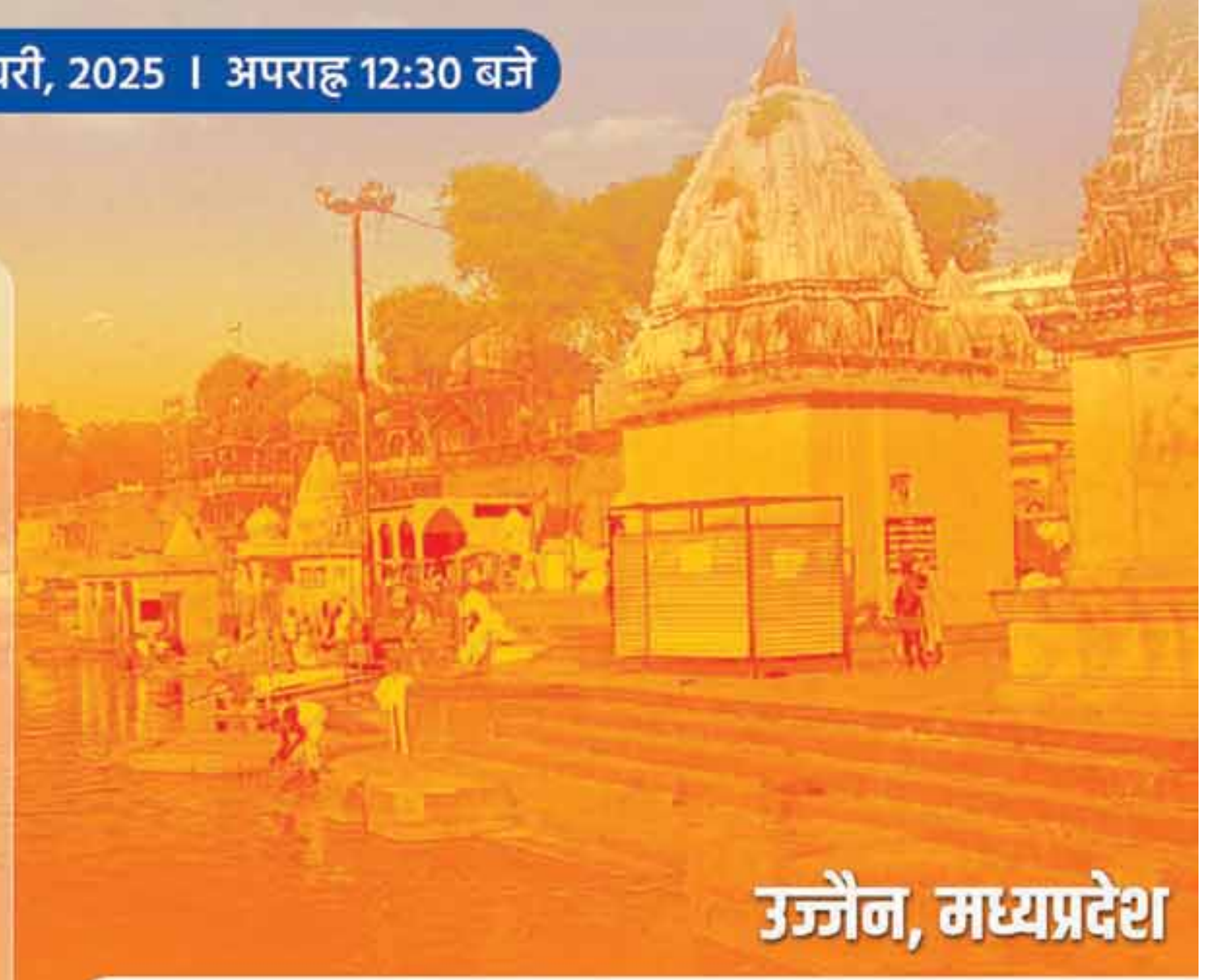

उज्जैन, मध्यप्रदेश

D-1153/24

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP